RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:315 ता. 10 जून 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

'पाताल लोक' की तलाश! धरती में 11 किलोमीटर गहरा गड्ढा क्यों खोद रहा चीन

नई दिल्ली। भारत का पड़ोसी देश चीन इस वक्त एक बड़े मिशन के तहत धरती से 11 किलोमीटर गहरा गड्ढा खोद रहा है। जानकारी के अनुसार, यह कार्य चीन के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र झिंजियांग में तारिम बेसिन के एक रेगिस्तान में चल रहा है। यहां मंगलवार सुबह से ड्रिलिंग शुरू हो चुकी है। बताया जा रहा है कि चीन एवरेस्ट की ऊंचाई से भी ज्यादा गहरा गड्ढा खोद रहा है। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, वह धरती के नीचे क्रिटासियस सतह की तलाश कर रहा है। क्रेटिसियस एक भूगर्भीय काल है, जिसका 145 मिलियन साल पुराना इतिहास है। यह चीन का सबसे गहरा मानव निर्मित गड्ढा होगा। चीनी सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, चीन के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र झिंजियांग में तारिम बेसिन के एक रेगिस्तान में मंगलवार से ड्रिलिंग शुरू हो गई है। 11,100 मीटर की गहराई के साथ, अधिकारी धरती के नीचे 10 से अधिक महाद्वीपीय स्तरों का पता लगाएंगे। जिसके बाद क्रेटासियस सिस्टम तक पहुंचा जा सकेगा। इसका 145 मिलियन साल पुराना इतिहास है। चीन की इस महत्वपूर्ण परियोजना के 457 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। चीनी राज्य मीडिया इस अभियान को पृथ्वी की खोज में एक मील का पत्थर बता रहा है।

क्या है चीन का मकसद

चीन की इस परियोजना की कई महत्वपूर्ण बाते हैं। पहला जिस दिन चीन ने इस अभियान की शुरुआत की, उसी दिन चीन से तीन अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेश स्टेशन के लिए रवाना किया गया। चीनी मीडिया इस अभियान को विज्ञान और तकनीकी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण बता रहा है। एक बयान में चीन के अग्रणी तेल और गैस उत्पादक चीन नेशनल पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने कहा कि इसमें वैज्ञानिकों को पृथ्वी की आंतरिक संरचना और विकास का अध्ययन करने और भूविज्ञान अनुसंधान के लिए डेटा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

बृजभूषण की गिरफ्त से पहलवान ने खुद को छुड़ाया, इंटरनेशनल रेफरी की गवाही; पूर्व चीफ की बढ़ेंगी मुश्किलें

इंटरनेशनल रेफरी ने कहा कि उस दिन कुछ तो गलत हुआ था। बृजभूषण और महिला पहलवान बगल में खड़े थे। वह असहज दिख रही थी। उसने धक्का भी दिया और चली गई।

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह यौन उत्पीड़न केस में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। रिपोर्ट है कि सिंह पर कथित उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पहलवानों के समर्थन में एक अंतरराष्ट्रीय कुश्ती रेफरी समेत चार ने दिल्ली पुलिस को बयान दिए हैं, जिससे बृजभूषण की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। गवाही के तौर पर इंटरनेशनल रेफरी ने कहा कि उस दिन कुछ तो गलत हुआ था। बृजभूषण और महिला पहलवान बगल में खड़े थे। वह असहज दिख रही थी। उसने धक्का भी दिया। कुछ बोली और फिर वहां से निकल गई। वह (बृजभूषण) पहलवानों को हाथ से छूकर बोल रहे थे, इधर आ जा, यहां खड़ी हो जा...। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह केस में दिल्ली पुलिस की जांच जारी है। यहां कथित यौन उत्पीड़न की कई घटनाओं का विवरण देते हुए छह वयस्क पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ प्राथमिकी दायर की है। एक शिकायतकर्ता ने पिछले साल मार्च में हुई एक घटना का उल्लेख किया है, जब टीम ने लखनऊ में मुकाबले के बाद एक तस्वीर खिंचवाई थी। महिला पहलवान के आरोपों के मुताबिक, उसने (बृजभूषण) मेरे नितंबों पर हाथ रखा जिसके बाद उसने (पीड़ित) दूर जाने की कोशिश की।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, 2007 से अंतरराष्ट्रीय कुश्ती रेफरी जगबीर सिंह, जो घटना के वक्त बृज भूषण और शिकायतकर्ता से कुछ फीट की दूरी पर खड़े थे, ने दिल्ली पुलिस के सामने अपनी गवाही में पहलवान के

आरोपों की पुष्टि की है। जगबीर सिंह ने फोटो का हवाला दिया और कहा कि दिल्ली पुलिस ने उनसे इसके बारे में पूछा था।

जगबीर चार राज्यों में 125 से अधिक संभावित गवाहों में शामिल हैं। जांच के 15 जून को समाप्त होने की उम्मीद है। इस मामले में एक ओलंपियन, एक राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता, एक अंतरराष्ट्रीय रेफरी और एक राज्य स्तर के कोच ने कम से कम तीन महिला पहलवानों के आरोपों की पुष्टि की है।

कुछ गलत तो हुआ था- इंटरनेशनल रेफरी

जगबीर सिंह के मुताबिक, मैंने उसे (बृज भूषण) उसके बगल में खड़े देखा। उसने खुद को छुड़ाया, धक्का दिया, बुदबुदाई और दूर चली गई। वह राष्ट्रपति के बगल में खड़ी थीं, लेकिन फिर सामने आ गईं। मैंने देखा कि यह महिला पहलवान कैसी प्रतिक्रिया दे रही थी और वह असहज थी। उसके साथ कुछ गलत हुआ। मैंने उन्हें (बृजभूषण) को ज्यादा कुछ करते हुए नहीं देखा लेकिन उनके हाथ खूब चल रहे थे। वो कभी इधर आ जा। इधर खड़ी हो जा (पहलवानों को छूकर कहते थे इधर आओ, इधर खड़े हो जाओ) कर रहे थे। उसके (शिकायतकर्ता के) व्यवहार से, यह स्पष्ट था कि उस दिन (फोटो सत्र के दौरान) उसके साथ कुछ गलत हुआ था। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, इससे पहले कि वह खुद को छुड़ाकर तस्वीर के लिए आगे की लाइन में जा पाती, बृजभूषण सिंह ने जबरन उसे (शिकायतकर्ता पहलवान) कंधे से पकड़ लिया था। प्राथमिकी में कहा गया है कि सिंह की अत्यधिक अभद्र÷ और आपत्तिजनक हरकत से महिला पहलवान दंग रह गई, जो उनकी सहमति के बिना थी।

गोल्ड मेडलिस्ट के बयान

जगबीर के अलावा 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अनीता ने भी कम से कम दो पहलवानों द्वारा किए गए दावों की पुष्टि की है। अनीता ने कहा कि शिकायतकर्ता ने उसे विदेश में एक टूर्नामेंट से उस घटना को साझा करने के लिए बुलाया था जहां बृज भूषण ने कथित तौर पर उसे अपने कमरे में बुलाया था और उसे जबरन÷ गले लगाया था।

मानसून के 48 घंटे में पूर्वोत्तर की तरफ बढ़ने की संभावना

उत्तर भारत में एक हफ्ते बाद देगा दस्तक

नई दिल्ली। केरल में दस्तक के बाद दक्षिण पश्चिम मानसून के अगले हफ्ते तक इसके उत्तर भारत पहुंचने की उम्मीद है। आमतौर पर केरल में एक जून तक मानसून आ जाता है, लेकिन इस साल एक सप्ताह देरी से को केरल के तट पर दस्तक दी। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटों में मानसून के पूर्वोत्तर राज्यों में आगे बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि मध्य प्रदेश में पांच दिन की देरी से इस साल 20 जून के बाद मानूसन के आने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में बारिश का इंतजार एक हफ्ते के अंदर खत्म हो सकता है। इसके अलावा राजस्थान में आठ दिन देरी से जुलाई के पहले सप्ताह में मानसून आने की उम्मीद है। चक्रवाती तूफान बिपरजोय के बारे में मौसम विभाग ने बताया, अरब सागर में एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान बिपरजॉय धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ रहा है। उम्मीद है कि यह कुछ समय के लिए उत्तर की ओर बढ़ेगा जिसके बाद यह उत्तर पश्चिम की ओर अपनी दिशा बदल देगा। मौसम विभाग के मुताबिक, बिपरजॉय गुरुवार रात 23.30 बजे गोवा के पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में लगभग 840 किमी और मुंबई के पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में 870 किमी पर पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है।। अगले दो दिनों में लगभग उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा।

मानसून में देरी चिंता का विषय नहीं...

विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसून आने में देरी चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि यह पहली बार नहीं है। विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई कि अगले दो-तीन सप्ताह में बारिश शुरुआती कमी की भरपाई कर देगी।

जीवा को मारने के लिए मिली 20 लाख की सुपारी, नेपाल से जुड़ रहा कनेक्शन, शूटर का सनसनीखेज खुलासा

लखनऊ। कुख्यात संजीव जीवा को गोलियों से भूनने वाले शूटर विजय यादव के तार नेपाल से जुड़ रहे हैं। वह कुछ दिन पहले नेपाल गया था। वहां एक बड़े माफिया के संपर्क में रहा। ये बात उसने पुलिस की बताई है। कहा है कि एक शख्स ने उसको जीवा की फोटो दिखाकर मारने की सुपारी दी। 20 लाख रुपये में डील हुई। हालांकि अभी सिर्फ पांच हजार व रिवॉल्वर दी थी। जानकारी के अनुसार, संजीव जीवा को गोलियों से भूनने वाले शूटर विजय के तार नेपाल के माफिया और हाल ही में मारे गए अतीक अहमद के दोस्त अशरफ से जुड़ रहे हैं। विजय कुछ दिन पहले नेपाल गया था। वहां उसने अशरफ से मुलाकात की। अशरफ ने उससे बताया कि उसका भाई अतीफ लखनऊ जेल में है। वहां जीवा उसे परेशान करता है। जीवा को रास्ते से हटाने के लिए उसने 20 लाख में डील की। काम से पहले विजय को पांच हजार रुपये और रिवॉल्वर दी गई। वहीं, लखनऊ पहुंचने पर अशरफ के गुर्गे ने विजय को पनाह दी और रेकी कराई। ये बातें विजय ने पुलिस की

पूछताछ में बताई हैं। पुलिस इसकी तफ्तीश में लग गई है।

कोर्ट शूटआउट में छह सिपाही निलंबित-उधर, कोर्ट रूम में गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या के मामले में बृहस्पतिवार रात चार हेड कांस्टेबल व दो कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। शुरुआती जांच में इनकी लापरवाही का दावा किया गया है। इनकी कोर्ट परिसर के अलग-अलग गेट पर ड्यूटी थी। वहीं, इतनी बड़ी वारदात में केवल हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल को जिम्मेदार ठहराया गया है।

बड़े जिम्मेदारों की जिम्मेदारी तय न कर अब तक उन्हें बचा लिया गया है। हमलावर विजय यादव कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था भेदते हुए रिवॉल्वर के साथ आसानी से कोर्ट रूम तक पहुंच गया। कोर्ट एक महत्वपूर्ण स्थान है लिहाजा सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़े अफसर भी जिम्मेदार होते हैं। मगर कार्रवाई सिर्फ सिपाहियों पर हुई। इस पर सवाल उठता है कि कोर्ट की सुरक्षा के लिए क्या सिर्फ ये चंद सिपाही जिम्मेदार थे।

ये निलंबित-हेड कांस्टेबल सुनील दुबे, मो. खालिद, अनिल सिंह, सुनील श्रीवास्तव और कांस्टेबल निधि देवी व धर्मेंद्र। इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

नोएडा में चलेगी देश की पहली पॉड टैक्सी, रूट से लेकर स्पीड तक जानिए

ग्रेटर नोएडा। जेवर एयरपोर्ट और प्रस्तावित फिल्म सिटी के बीच देश की पहली पॉड टैक्सी परियोजना को शासन ने मंजूरी दे दी है। पीपीपी मॉडल पर बनने वाली इस परियोजना के विकासकर्ता के चयन के लिए अगले सप्ताह ग्लोबल टेंडर जारी होंगे। 14.6 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में 12 स्टेशन बनाए जाएंगे। पॉड टैक्सी 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। संचालन शुरू होने पर इससे रोजाना करीब आठ हजार यात्री सफर करेंगे। इसपर 641.53 करोड़ रुपये का खर्च होने का अनुमान है। परियोजना को मार्च, 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यमुना प्राधिकरण ने परियोजना की डीपीआर केंद्र सरकार की कंपनी इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कारपोरेशन लिमिटेड से बनाई है। लखनऊ में मंगलवार को अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में बिड इवैल्यूवेशन कमेटी की बैठक हुई। इसमें वित्त और विधि विभाग के अधिकारियों के अलावा यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह भी शामिल हुए। बैठक में निविदा और अनुबंध पत्र को भी मंजूरी दी गई। पॉड टैक्सी कॉरिडोर एलिवेटेड होगा। एयरपोर्ट से प्रस्तावित फिल्म सिटी की दूरी छह किलोमीटर होगी। इस कॉरिडोर से औद्योगिक सेक्टर जुड़ेंगे। इसमें जेवर एयरपोर्ट, 60 मीटर रोड, 75 मीटर रोड, सेक्टर-32, सेक्टर-29, सेक्टर-33, सेक्टर-28 में दो और सेक्टर-21 में तीन समेत 12 स्टेशन बनेंगे।

आवाजाही के कई विकल्प

जेवर एयरपोर्ट के चलते यहां आवाजाही के कई विकल्प होंगे। यमुना और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पहले से हैं। मुंबई एक्सप्रेसवे जोड़ा जा रहा है। एयरपोर्ट मेट्रो प्रस्तावित है। हाईस्पीड रेल भी गुजरेगी। अब पॉड टैक्सी चलाई जाएगी।

11-12 जून को भाजपाई सीएम और डिप्टी सीएम की मीटिंग, अमित शाह और जेपी नड्डा भी होंगे शामिल

2024 लोकसभा चुनाव पर चर्चा की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली में 11-12 जून को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की मीटिंग होगी। इस मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे। पार्टी के महासचिव बीएल संतोष और राज्य संगठनों के सचिव भी बैठक में मौजूद रहेंगे। मीटिंग में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों पर चर्चा हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि सभी सीएम और डिप्टी सीएम से कहा गया है कि वह इनोवेटिव आइडिया के साथ आएं। संगठन और सरकार के बीच समन्वय में आ रही दिक्कतों की भी चर्चा

होगी। चुनावी राज्यों की भी अलग से बैठक होगी।

28 मई को मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के मौके पर भी भाजपा शासित राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम की मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। बैठक में यूपी के सीएम योगी, उत्तराखंड के सीएम धामी, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, असम के हृरूहिमंता बिस्वा सरमा, नगालैंड के डिप्टी सीएम पैटन, MP के सीएम शिवराज सिंह चौहान, यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या और ब्रजेश पाठक आदि नेता शामिल हुए थे। मीटिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा था- आज भाजपा के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ रचनात्मक बैठक की। हमने विकास में तेजी लाने और अपने नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने बैठक के दौरान अपने मन की बातें भी बताईं।

30 जून तक देश भर में जनसंपर्क अभियान चलाएगी भाजपा-मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के मौके पर भाजपा ने देश भर में 30 मई से 30 जून तक जनसंपर्क अभियान चलाने का फैसला लिया था। इस दौरान पार्टी 50 से ज्यादा बड़ी रैलियां करेगी। इनमें से आधा दर्जन से ज्यादा रैलियों को प्रधानमंत्री संबोधित करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत सभी केंद्रीय मंत्री इस जनसंपर्क अभियान में शामिल होंगे।

ओडिशा हादसा: जिस स्कूल को बनाया मुर्दाघर, जाने से डर रहे छात्र-शिक्षक; पैरेंट्स बोले- गिरा दो बिल्डिंग

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर के बहनागा में 2 जून को हुई भयावह रेल दुर्घटना में कम से कम 288 लोग काल के ग्रास में समा गए। शवों को प्रशासन की टीम ने हादसे के पास एक स्कूल में रखा था। स्कूल को अस्थायी मुर्दाघर बनाया था। जहां प्रियजनों ने शवों की शिनाख्त की और अंतिम संस्कार के लिए अपने साथ ले गए। अब इस सरकारी स्कूल से सभी शवों को तो निकाला जा चुका है लेकिन, कोई भी छात्र स्कूल में पढ़ने के लिए आने को तैयार नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि मां-बाप को अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डर लग रहा है। पैरेंट्स के मन में इमारत के भूतहा होने का डर है। वे प्रशासन की टीम से स्कूल की बिल्डिंग गिराने की मांग कर रहे हैं। ओडिशा के बहनागा में अस्थायी मुर्दाघर बनाए सरकारी स्कूल को ध्वस्त करने की तैयारी की जा रही है क्योंकि कई छात्रों और शिक्षकों ने स्कूल आने से इनकार कर दिया है। 16 जून को गर्मी की छुट्टी खत्म होने के बाद स्कूल फिर से खुलेगा लेकिन, प्रबंधन के सामने दिक्कत यह है कि छात्रों के मां-बाप और शिक्षक स्कूल आने से डर रहे हैं।

हादसे से 500 मीटर दूर है स्कूल

जानकारी के अनुसार, हादसे वाली जगह से स्कूल की दूरी बमुश्किल 500 मीटर है। प्रबंधन समिति ने गुरुवार को बताया कि बालासोर रेल हादसे के बाद 250 शवों को स्कूल के परिसर में रखा गया था। स्कूल को अस्थायी मुर्दाघर बनाया गया था। जिन शवों को स्कूल में रखा गया था, उनमें से ज्यादातर विकृत अवस्था में

थे। ऐसे में छात्र और कई शिक्षक स्कूल लौटने से कतरा रहे हैं। हालांकि समिति का कहना है कि शवों को हटाने के बाद स्कूल की अच्छी से सफाई कर दी गई है लेकिन, छात्रों और शिक्षकों के मन में उस भयावह दृश्य की अमिट छाप अभी भी बनी हुई है। पैरेंट्स के मन में इमारत के भूतहा होने का डर है।

क्या गिराई जाएगी इमारत

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या इमारत को गिराया जाएगा और उसकी जगह नई बिल्डिंग खड़ी की जाएगी। बालासोर के कलेक्टर दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने स्कूल का दौरा किया और लोगों से भय और अंधविश्वास न फैलाने की अपील की। सुझाव दिया कि इसके बजाय युवा, प्रभावशाली दिमागों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷यह 65 वर्षीय स्कूल पिछले कुछ वर्षों में बदल गया है। परिसर में एक विज्ञान प्रयोगशाला है जो अंधविश्वास नहीं, बल्कि नई सोच का रास्ता दिखाता है। हालांकि, हम इस बारे में सोच-समझकर निर्णय लेंगे कि स्कूल की इमारत को गिराना है या नहीं।

जल्द फैसला लेगी समिति

स्कूल और जन शिक्षा सचिव एस अश्वथी ने कहा कि अधिकारियों की एक टीम ने लगातार दिनों में परिसर का दौरा किया और माता-पिता और शिक्षकों के एक वर्ग द्वारा उठाई जा रही चिंताओं को सुना। ÷हम अपने अधिकारियों और स्कूल की प्रबंधन समिति की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसके आधार पर सरकार निर्णय लेगी÷। अश्वथी ने कहा कि राज्य सरकार छात्रों और शिक्षकों के लिए विशेषज्ञ परामर्श की व्यवस्था करने का इरादा रखती है ताकि जो हुआ उसकी वास्तविकता को स्वीकार करने और आगे बढ़ने में मदद मिल सके।

फ्रांसिसी राजदूत इमैनुएल लेनैन ने हजारीबाग की यात्रा

हजारीबाग। भारत में फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनैन ने झारखंड के हजारीबाग जिले में विकास गतिविधियों का जायजा लेने के लिए जिले का दौरा किया। प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि लेनैन ने हजारीबाग के विभिन्न स्थानों की यात्रा की और वह प्रसिद्ध ग्रामीण कला 'सोहराई' पेंटिंग को देखकर प्रभावित हुए। हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा ने अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रमुख सोहराई चित्रकारों को आमंत्रित किया था, जहां उन्हें फ्रांस के राजदूत से मिलवाया गया। अधिकारी ने कहा कि लेनैन ने एक वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र, हजारीबाग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और एनटीपीसी (राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड) की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना का भी दौरा किया। उन्होंने यहां सेंट जेवियर्स स्कूल के छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत की। लेनैन ने कहा कि फ्रांस की भारत के साथ पुरानी मित्रता है और उसकी हर क्षेत्र में निवेश में दिलचस्पी है।

केरल में 52 दिन मछली पकड़ने पर प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम। केरल के तटीय क्षेत्रों में मछली पकड़ने पर 52 दिन का प्रतिबंध लगाया जाएगा जो शुक्रवार की मध्यरात्रि से लागू होगा। राज्य सरकार ने हाल में मछली पकड़ने पर वार्षिक प्रतिबंध लगाने का फैसला किया जो मछुआरों की आजीविका का साधन है। प्रतिबंध 9 जून की मध्यरात्रि से 31 जुलाई तक रहेगा। इस संबंध में हाल में एक अधिसूचना जारी की गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मछली पकड़ने पर प्रतिबंध 3800 से अधिक ट्रॉलर नौकाओं, 500 से अधिक गिलनेट नौकाओं और राज्य के जल क्षेत्रों में मछली पकड़ने में इस्तेमाल होने वाली नौकाओं पर लागू होगा। राज्य के मत्स्य पालन मंत्री द्वारा आयोजित अधिकारियों और ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों की 18 मई को हुई बैठक में प्रतिबंध लगाने और अन्य संबंधित मामलों पर अंतिम फैसला किया गया। मछुआरा संघ के सूत्रों ने बताया कि मछुआरों की बस्ती में मुफ्त राशन वितरण का भी फैसला किया गया जो प्रतिबंध से प्रभावित होते हैं। इस बीच केरल स्वतंत्र मत्स्याथोजिलाली ऐक्यावेदी के राज्य अध्यक्ष चार्ल्स जॉर्ज ने कहा कि ट्रॉलर नौकाओं, अन्य नौकाओं तथा पोतों पर रोक के साथ साथ पड़ोसी राज्यों से आने वाली फाइबर नौकाओं पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि राज्य में मछली पकड़ने पर रोक की अवधि में पड़ोसी राज्यों की नौकाएं खास तौर पर केरल के जल क्षेत्र में अतिक्रमण करती हैं।

बीस घंटे में 26.82 किलोमीटर बिटुमिनस कांक्रीट बिछा एनएचएआई ने दर्ज कराया लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम

नई दिल्ली। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) अब अपने प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के लिए जानी जाती है। सोलापुर-बीजापुर नेशनल हाईवे के फोर लेनिंग में भी खूब फुर्ती दिखाई है। इस सेक्शन पर बीस घंटे में 26.82 किलोमीटर बिटुमिनस कांक्रीट बिछाया गया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ट्विटर पर प्रोजेक्ट की कुछ तस्वीरें शेयर कर बताया है कि बीस घंटे में 26.82 किलोमीटर बिटुमिनस कांक्रीट बिछाने पर इस सोलापुर-बीजापुर सेक्शन का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। 109 किलोमीटर की लंबाई वाले प्रोजेक्ट में 4 प्रमुख पुल, 35 छोटे पुल, 6 इंटरचेंज/फ्लाईओवर, 2 रेल-ओवर ब्रिज, 10 वाहन अंडरपास और 21 किलोमीटर लंबे सोलापुर बाईपास का निर्माण शामिल है। यह परियोजना न केवल दोनों राज्यों के बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान बल्कि इससे दोनों राज्यों में आवागमन सी सुविधाजनक होगा। साथ ही यात्रा में लगने वाले समय में भी कटौती होगी। 109 किलोमीटर की लंबाई वाले इस नेशनल हाईवे को बनाने में 1537.64 करोड़ रुपये का खर्च आया। जिसमें भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास और अन्य निर्माण पूर्व गतिविधियों की लागत शामिल है। इसके पहले एनएचआई एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना चुकी है। गाजियाबाद-अलीगढ़ एक्सप्रेसवे के 100 किलोमीटर हिस्से को 100 घंटे में बनाने का कमाल किया गया था। इससे पहले विश्व रिकॉर्ड 75 घंटे में 75 किलोमीटर बनाने का था। 100 किलोमीटर रोड बनाने में लगभग 80 हजार मजदूर लगे थे। वहीं 200 से अधिक रोड रोलर का इस्तेमाल भी रोड बनाने में किया गया था। इंजीनियर्स और मजदूरों ने विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए दिन रात काम किया। गाजियाबाद-अलीगढ़ नेशनल हाइवे देश के व्यस्त मार्गों में से एक है। अब इस हाइवे को सिक्स लेन किया जा रहा है।

असम में 3.7 तीव्रता से आया भूकंप

गुवाहाटी। असम में शुक्रवार को 3.7 तीव्रता का भूकंप महसूस हुआ। अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, झटका सुबह 10:05 बजे महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र तेजपुर से 39 किमी पश्चिम में 10 किमी की गहराई में था। गुवाहाटी और राज्य के अन्य शहरों के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए। इससे पहले 29 मई को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया था। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र तेजपुर के पास सतह से 15 किमी की गहराई में था।

बैग में बम होने की सूचना पर उड़ान में हुई देरी, जांच में मिला नारियल

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई जा रही विस्तारा एयरलाइंस की एक उड़ान ने बुधवार को करीब दो घंटे की देरी से उड़ान भरी। एयरलाइंस के देरी से उड़ने की वजह सिर्फ इतनी रही कि एक यात्री ने यह कहा कि उसने सह-यात्री को अपने बैग में बम होने के बारे में बात करते हुए सुना। इस कॉल के बाद एयरपोर्ट और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हो गईं और गहन जांच-पड़ताल की गई। इस सबके बाद यह सूचना गलत निकली। हालांकि इस मामले की जानकारी बृहस्पतिवार को दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विस्तारा एयरलाइंस की उड़ान संख्या यूके-941 के लिए किए गए इस दावे का पता लगाने के लिए आईजीआई एयरपोर्ट पर बुधवार शाम करीब 6.10 बजे कई सुरक्षा, खुफिया, हवाई अड्डे के संचालन और विमानन एजेंसियों की एक नामित समिति को जांच के लिए बुलाया गया था। यह उड़ान दिल्ली से मुंबई जा रही थी और उसे शाम चार बजकर 55 मिनट पर उड़ान भरनी थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महिला यात्री ने एयरलाइन के चालक दल को बताया कि उसने एक पुरुष यात्री को फोन पर किसी से यह कहते हुए सुना कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की टीम उसके बैग में रखे हुए बम का पता नहीं लगा सकी। सीआईएसएफ ने बम होने के डर से मेरे बैग से नारियल निकाल दिया, लेकिन मेरे बैग में गुटखा रखने दिया। बम शब्द सुनने के बाद महिला सह-यात्री ने अलार्म बजाया और फ्लाइट क्रू ने सीआईएसएफ को सूचित किया। चालक दल ने तुरंत सुरक्षा और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कर्मियों को इस बारे में सूचित किया, जिसके बाद विमान के उड़ान भरने में देरी हुई और टर्मिनल क्षेत्र और चेक-इन सामान में एक अभियान चलाया गया। इस दौरान समग्र सुरक्षा तंत्र को सतर्क रखा गया था। अधिकारी ने कहा कि नौकरी के लिए दुबई जा रहा यात्री फोन पर अपनी मां से बात कर रहा था और बातचीत के दौरान उसने बम शब्द को सुना। बम शब्द सुनने के बाद महिला सहयात्री ने अलार्म बजाया और फ्लाइट क्रू को इसकी सूचना दी, जिसने सीआईएसएफ को इस संबंध में मैसेज दिया। इस दौरान दोनों यात्रियों विमान से उतार दिया गया. लेकिन गहन तलाशी के बाद भी कुछ नहीं मिला।

71वें मिस वर्ल्ड 2023 सौंदर्य प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। मिस वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन ने 71वें मिस वर्ल्ड 2023 सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए भारत को मेजबान देश के रूप में चयन करने की शुक्रवार को घोषणा की। संगठन ने कहा कि भारत को यह प्रतिष्ठित सम्मान देने का फैसला इसकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, विविधता को बढ़ावा देने के लिए इसकी प्रतिबद्धता और महिला सशक्तिकरण के लिए इसके जुनून को देखकर लिया गया है। आकर्षक परिदृश्य, प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल और शानदार आतिथ्य-सत्कार के साथ भारत की जीवंत परंपराएं, संस्कृति और इतिहास इस सौंदर्य एवं फैशन का एक वैश्विक पावरहाउस बनाते हैं। भारत में 71वीं मिस वर्ल्ड 2023 प्रतियोगिता परोपकारी गतिविधियों के माध्यम से लोकोपकारी कार्यों को बढ़ावा देगी और प्रतियोगियों को अपने समुदायों पर सकारात्मक असर डालने और समाज में योगदान देने के लिये प्रेरित करेगी। बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों, जैसे कि ऐश्वर्या राय बच्चन, प्रियंका चोपड़ा, युक्ता मुखी, आदि के रूप में भारत के पास कई खूबसूरत महिलाएं हैं, जिन्होंने विश्व-

पीएम मोदी की डिग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं,

उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ केजरीवाल की रिव्यू पिटीशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मार्च में अपने आदेश की समीक्षा के लिए गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया है। अहमदाबाद की एक अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री के संबंध में व्यंग्यपूर्ण और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में 13 जुलाई को अदालत के समक्ष पेश होने को कहा है। न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव की अदालत ने शुक्रवार को मामले को स्वीकार किया और प्रतिवादी गुजरात विश्वविद्यालय, भारत संघ, मुख्य सूचना आयुक्त और तत्कालीन सीआईसी आयुक्त प्रोफेसर एम श्रीधर आचार्युलु को नियम जारी किया।

उम्मीद है कि अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 30 जून को करेगी। 31 मार्च को गुजरात हाई कोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग के उस आदेश को निरस्त कर दिया। जिसमें आरटीआई के तहत डिग्री देने की बात कही गई थी। कोर्ट ने इसके साथ ही दिल्ली के मुख्यमंत्री पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। केजरीवाल द्वारा दायर की गई समीक्षा याचिका में कहा गया है कि जबकि अदालत ने रिकॉर्ड किया था कि पीएम मोदी की डिग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आम आदमी पार्टी (आप) के दोनों नेताओं को इससे पहले मेट्रोपोलिटन अदालत ने सात जून को उसके समक्ष पेश होने के लिए समन किया था। गुजरात विश्वविद्यालय (जीयू) ने दोनों के खिलाफ मामला दायर करवाया है।

मैं भाजपा का नौकर नहीं हूं....जब चाहे ईडी के सामने पेश हो जाऊं : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हूंगा। पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होना है। उन्हें 13 जून को सुबह 11:30 बजे कोलकाता में सीजीओ कॉम्प्लेक्स में केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। अभिषेक ने अभी पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होने में असमर्थता जाहिर की है, क्योंकि वह समय बर्बाद नहीं करना चाहते थे, क्योंकि वह पंचायत चुनावों के प्रचार में व्यस्त थे। उन्होंने कहा कि वह 9 जुलाई के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश होने को तैयार हैं, जब पंचायत चुनाव खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं 13 जून को ईडी के सामने पेश नहीं होऊंगा। मेरे पास महत्वपूर्ण पंचायत चुनावों से पहले बर्बाद करने का समय नहीं है। पंचायत चुनाव 9 जुलाई को खत्म हो जाएंगे और मैं उसके बाद कभी भी पेश होऊंगा। उन्होंने कहा आज मेरी पत्नी से पूछताछ की गई ईडी ने फिर मुझे 13 जून को पेश होने के लिए नोटिस भेजा। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मैं भाजपा का नौकर नहीं हूं, जब भी वे चाहें मुझे केंद्रीय एजेंसियों के सामने पेश होना होगा। अभिषेक ने आरोप लगाया कि ईडी का समन उन्हें पंचायत चुनाव के प्रचार से दूर रखने के लिए भाजपा की एक सोची समझी चाल है। उन्होंने कहा कि यह मुझे अभियान से दूर रखने की सोची समझी चाल है, क्योंकि भाजपा अच्छी तरह जानती है कि वे हमसे राजनीतिक रूप से नहीं लड़ सकते।

भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा 11 को लेंगे सीएम व डिप्टी सीएम की मिटिंग

-लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों पर होगा विचार-मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सियासत में गर्मी आई है और भाजपा में शीर्ष स्तर पर विचार मंथन का दौर जारी है। अगले वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर खास तौर पर चर्चा करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अब भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है। सूत्रों के अनुसार भाजपा अध्यक्ष ने यह बैठक 11 जून को दिल्ली में बुलाई है। बताया जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों की यह बैठक शाम को शुरू होगी, जिसमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष के अलावा अन्य कई महत्वपूर्ण नेता भी शामिल होंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बैठक में शामिल होने को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट सूचना नहीं है, लेकिन यह बताया जा रहा है कि इस बैठक में पार्टी आलाकमान की तरफ से सभी मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 28 मई को देश के नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय में बैठक की थी, जिसमें सभी राज्यों को केंद्र सरकार की योजनाओं को सही तरीके से लागू करने और प्रदेश में चलाई जा रही तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया था। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर अमित शाह, जेपी नड्डा और बीएल संतोष ने सोमवार, मंगलवार और बुधवार को लगातार 3 दिन तीन बार कई घंटे तक मैराथन बैठक की।

भाजपा आलाकमान संगठन में एक बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है और यह बताया जा रहा है इन बड़े बदलावों से पहले बुलाई गई मुख्यमंत्री परिषद की बैठक विचार-विमर्श के लिहाज से काफी अहम है, क्योंकि विपक्षी दलों की एकता की मुहिम को देखते हुए भाजपा लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती।

शरद पवार और संजय राउत को मिली जान से मरने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के दो वरिष्ठ नेताओं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के मुख्य प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को अज्ञात लोगों से जान से मारने की धमकी मिली है। पवार को ट्विटर संदेश के माध्यम से चेतावनी दी गई है कि उनका हश्र डॉ. नरेंद्र दाभोलकर (अगस्त 2013 में पुणे में गोली मार दी गई) के समान होगा।

उधर राउत के विधायक भाई सुनील राउत को किए गए टेलीफोन पर उनके भाई, सांसद संजय राउत को चुप रहने की चेतावनी दी गई और ऐसा न करने पर एक माह के भीतर गोलियों से छलनी करने की धमकी दी गई। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने मामले में मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फनसालकर से मुलाकात की और कड़ी कार्रवाई की मांग कर शिकायत दर्ज कराई, वहीं राउत ने भी पुलिस को धमकियों की जानकारी दी।

सांसद सुप्रिया ने चेतावनी दी कि अगर उनके पिता को कुछ होता है, तब राज्य के गृह विभाग (उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाले) को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ध्यान भी इसकी ओर आकर्षित किया। एनसीपी के कई नेताओं ने सरकार तत्काल कार्रवाई की मांग की।

गौरतलब है कि पवार और राउत को कांग्रेस-एनसीपी-शिवसेना (यूबीटी) एमवीए गठबंधन का मुख्य वास्तुकार माना जाता है, जिसने जून 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के सत्ता से हटने तक 30 महीने से अधिक समय तक प्रदेश में शासन किया था। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि पवार को धमकी चिंता का विषय है और उन्होंने पुलिस से मामले में तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

विदेश में जाकर देश की बुराई पीएम मोदी ने ही की, जिन्होंने आपको मंत्री बनाया : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान से कांग्रेस भड़क गई है। अमेरिका में राहुल गांधी के दिए बयानों पर हमला बोलकर जयशंकर ने कहा था कि राहुल गांधी को भारतीय राजनीति पर विदेश में जाकर चर्चा करने की आदत हो गई है। यही नहीं उन्होंने कहा था कि दुनिया देख रही है कि भारत में लोकतंत्र है और चुनाव होते हैं। इसकारण चुनाव में यहां कभी कोई पार्टी जीतती है, तब कभी कोई और जीतता है। हालांकि 2024 का नतीजा सभी को पता है और वहीं रहने वाला है।

उनके बयान पर कांग्रेस ने हमला बोलकर सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर ही निशाना साधा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि देश की राजनीति को विदेश में जाकर चर्चा करने की शुरुआती उसी शख्स ने की थी, जिसने आपको मंत्री का पद दिया है। जयशंकर ने राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयानों को लेकर पूछे सवाल पर कहा था, राहुल गांधी देश में जो कुछ भी कहते हैं, हमें उनके बयान को लेकर आपत्ति नहीं है। लेकिन उनकी आदत है कि हमारे देश के आंतरिक मामलों पर विदेश में जाकर चर्चा करते हैं और यह राष्ट्र हित के अनुकूल नहीं है।

इस पर रमेश ने ट्वीट किया, राष्ट्रीय राजनीति पर विदेश में जाकर टिप्पणी करने की शुरुआत किसी और ने नहीं बल्कि उस शख्स ने ही थी, जिसने आपको मंत्री का पद दिया है। आप यह बात जानते हैं, लेकिन स्वीकार नहीं कर पाएंगे। वहीं कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा ने जयशंकर को पुरानी ही स्क्रिप्ट दे दी है। उन्हें कुछ नया लाना चाहिए। कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने कहा, प्रधानमंत्री ने कई बार पुरानी सरकारों का मजाक बनाया। 70 सालों के इतिहास में देश में कुछ नहीं हुआ, ऐसी बातें कीं। राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा वह एक सच ही है। देश में संवैधानिक संस्थाओं पर एक योजना के तहत हमले किए जा रहे हैं।

कांग्रेस में बड़े फेरबदल की तैयारी में खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा को मिल सकती बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में मिली जीत ने कांग्रेस और उसके कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है। इसके बाद कांग्रेस अब 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। सबसे पहले संगठनात्मक फेरबदल की योजना है। इस क्रम में कांग्रेस राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और झारखंड में जल्द नए अध्यक्ष का ऐलान हो सकता है। साथ ही पार्टी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि ओडिशा, हरियाणा और बिहार में कांग्रेस जल्द नए प्रभारी नियुक्त करेगी। इसके साथ ही महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भी प्रभारी बदले जाएंगे। दरअसल, इन दोनों राज्यों के मौजूदा प्रभारी दिनेश गुंडो राव और एचके पाटिल को हाल ही में सिद्धारमैया सरकार में मंत्री बनाया गया है। खास बात यह हैं कि राजस्थान में भी जल्द नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर मुहर लग सकती है। क्योंकि राज्य में सीएम गहलोत और सचिन पायलट के बीच मनमुटाव खुलकर सामने आ गया है। इसके अलावा युवा चेहरों को मौका देने के उद्देश्य से जल्द ही एक नई कांग्रेस वर्किंग कमेटी चुनी जाएगी। रायपुर के अधिवेशन में इसबात को लेकर प्रस्ताव भी पारित हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, पूरे सांगठनिक फेरबदल की प्रक्रिया अगले एक से तीन सप्ताह में पूरी कर ली जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास इन पदों के लिए उम्मीदवारों के नाम पहुंच चुके हैं।

राजस्थान में लंबे वक्त से गहलोत और पायलट के बीच विवाद चल रहा है। पिछले कुछ दिनों से दोनों नेताओं ने खुले तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। वहीं, कांग्रेस कई महीनों से राजस्थान का संकट टाल रही है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दोनों नेताओं को साथ लाने की कोशिश की थी। कर्नाटक चुनाव के बाद दोनों नेताओं से बातचीत भी की गई। अमेरिका दौरे पर जाने से ठीक पहले राहुल गांधी ने दोनों से मुलाकात की थी। इस दौरान पायलट और गहलोत को समझाने की कोशिश भी की गई। ताकि राजस्थान चुनाव से पहले एकजुटता का संदेश दिया जा सके। हालांकि अभी तक कोई फॉर्मूला नहीं निकल सका है, क्योंकि दोनों नेता अपने-अपने स्टैंड पर अड़े हैं। हिमाचल और कर्नाटक में प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव प्रचार का नेतृत्व किया था, दोनों ही राज्यों में कांग्रेस को जीत मिली। माना जा रहा है कि प्रियंका गांधी जल्द ही बड़ी भूमिका में नजर आ सकती हैं। इससे पहले उन्हें यूपी का प्रभारी बनाया गया था। हालांकि, राज्य में मिली हार के बाद उन्होंने हिमाचल और कर्नाटक का रुख किया। इसके बाद कहा जा रहा हैं कि प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी को प्रभार छोड़ सकती हैं।

बंगाल पंचायत चुनाव : कलकत्ता हाईकोर्ट जाएगी कांग्रेस व बीजेपी

कोलकाता। कांग्रेस और भाजपा ने पश्चिम बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली में आगामी चुनावों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख करने का फैसला किया है। नवनियुक्त राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा ने एक ही चरण में मतदान की तारीख 8 जुलाई घोषित की। सिन्हा चुनावों के लिए केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती पर अस्पष्ट रहे, इसके बजाय लोगों को राज्य पुलिस द्वारा की गई सुरक्षा व्यवस्था में विश्वास रखने के लिए कहा, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष व पार्टी के लोकसभा सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने घोषणा की कि पार्टी आगे बढ़ेगी और कोर्ट से केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करेगी।

लालू ने रोका था आडवाणी का रथ, अब नीतीश राकेंगे मोदी का रथ: तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)।। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य का सत्तारूढ़ महागठबंधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रथ को वैसे ही रोकेगा जैसे उनके पिता लालू प्रसाद ने लाल कृष्ण आडवाणी की रथयात्रा को रोक दिया था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा नेता ने कहा कि विपक्षी दल केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए साथ आ रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर अतीत में किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब भी भाजपा की कमियों को इंगित किया गया तो उसने हिंदू बनाम मुस्लिम को बढ़ावा दिया।

यादव ने राज्य के हथकरघा बुनकर सहकारी संघ द्वारा आयोजित एक समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि देश सभी समुदायों का है और किसी भी सामाजिक समूह को उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि चाहे हिंदू हों, मुसलमान हों या कोई अन्य धार्मिक समुदाय, सभी ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि हम कुछ लोगों से ऐसी अपमानजनक टिप्पणी सुनते हैं, जिनमें सुझाव दिया जाता है कि मुसलमानों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित किया जाना चाहिए। यादव ने कहा कि लेकिन निश्चिंत रहें, जब तक लालू प्रसाद और नीतीश कुमार जैसे नेता हैं, कोई भी ऐसा कुछ करने की हिम्मत नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि लालू ने लालकृष्ण आडवाणी के रथ को रोक दिया था। अब नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला महागठबंधन (मोदी का) रथ रोकेगा। उपमुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भाजपा 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने से डरी हुई है, क्योंकि उसे वहां एकजुट विपक्ष का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता यादव कुछ भाजपा नेताओं के बयान के बारे में पूछे गये सवाल का जवाब दे रहे थे। कुछ भाजपा नेताओं ने 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी दलों के सम्मेलन को कमतर पेश करने की कोशिश की है। भाजपा को राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में एक के बाद एक हार दिखाई दे रही है।

उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख एवं सीएम नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव में भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए एकजुट विपक्ष की तरफदारी करते आ रहे हैं। यादव ने पिछले साल भाजपा से नाता तोड़ लिया था। यादव और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह 'ललन' ने बुधवार को घोषणा की थी कि विपक्षी दलों का सम्मेलन 23 जून को होगा, जिसमें राहुल गांधी, ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी जैसे विभिन्न नेता भाग लेने को राजी हो गये हैं। यादव ने कहा कि 23 जून की बैठक में 'करीब 15 राजनीतिक दलों' का प्रतिनिधित्व होगा।

हालांकि, जब उनसे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के संस्थापक और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमने उनसे अब तक बात नहीं की है।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल राजग से नीतीश के बाहर आने के कुछ ही समय बाद राव पटना आये थे और उन्होंने राष्ट्रीय एकता की कुमार की पैरोकारी पर मुहर लगायी थी। हालांकि इस बात की आशंका है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री किसी ऐसे गठबंधन का हिस्सा होंगे, जिसमें कांग्रेस होगी। तेलंगाना में कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। हालांकि, हाल में बीआरएस ने इस बात का पर्याप्त संकेत दिया कि 'एकजुट विपक्ष' का हिस्सा बनने के बजाय वह 'तेलंगाना मॉडल' पर चलेगी।

अमेरिका और ब्रिटेन ने दोहराई युद्ध प्रभावित यूक्रेन को मदद जारी रखने की प्रतिबद्धता

वाशिंगटन ।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बृहस्पतिवार को युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन की मदद जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई और कृत्रिम मेधा (एआई), स्वच्छ ऊर्जा व महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। बाइडेन और सुनक ने कहा कि अटलांटिक घोषणापत्र विकास और उभरती प्रौद्योगिकी के मामले में दोनों देशों के लिए एक रूपरेखा के तौर पर काम करेगा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा व अन्य आर्थिक सुरक्षा समस्याओं के लिहाज से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी की रक्षा करेगा। ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय) में दोनों नेताओं के बीच वार्ता शुरू होने पर बाइडेन ने कहा कि हम अपने मूल्यों को सामने रखेंगे। उन्होंने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि समझौता (अटलांटिक घोषणापत्र) दोनों देशों को हमारी साझेदारी को अनुकूलित और उन्नत करने में मदद करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे देश तेजी से बदलती दुनिया में अग्रणी बने रहें। वहीं, सुनक ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था औद्योगिक क्रांति के बाद शायद सबसे बड़ा परिवर्तन देख रही है, क्योंकि नयी प्रौद्योगिकियों ने न केवल अविश्वसनीय अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि हमारे प्रतिद्वंदियों को भी अधिक मौके दिए हैं। दोनों नेताओं के बीच बातचीत में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का मुद्दा छाया रहा। अमेरिका और ब्रिटेन दोनों इस युद्ध में यूक्रेन की बड़े पैमाने पर मदद कर रहे हैं। बाइडन ने एक बार फिर विश्वास जताया कि अमेरिकी संसद यूक्रेन को जरूरत के हिसाब से मदद मुहैया कराती रहेगी। बातचीत की शुरुआत में बाइडेन ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन यूक्रेन के समर्थन में खड़े हैं।

यूक्रेन में बांध टूटने से आई बाढ़ ने मचाई तबाही, 9 लोगों की मौत

कीव । दक्षिणी यूक्रेन में इस सप्ताह की शुरुआत में एक प्रमुख बांध के टूटने के कारण आई भयंकर बाढ़ में ओलेस्की शहर में 9 लोगों की मौत हो गई। इसकी पुष्टि मेयर येवेन रिशचुक ने की। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को मौतों की पुष्टि करते हुए मेयर ने कहा कि हमारा मानना है कि ये इस बाढ़ के आखिरी पीड़ित नहीं हैं। सैकड़ों लोग घरों की छतों पर फंसे हुए हैं और राहत और बचाव का इंतजार कर रहे हैं। ओलेस्की, नोवा कखोव्का बांध से लगभग 60 किमी दक्षिण पश्चिम में स्थित है, वर्तमान में रूसी सेना द्वारा नियंत्रित है। बांध के टूटने और मंगलवार के शुरुआती घंटों में रूसी-नियंत्रित नोवा काखोवका क्षेत्र में एक हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर प्लांट के नष्ट होने के कारण बड़े पैमाने पर निकासी हुई है, क्योंकि पानी के स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने कहा है कि नदी के आसपास के 30 कस्बों और गांवों में बाढ़ आ गई है और यूक्रेन द्वारा नियंत्रित क्षेत्र की राजधानी खेरसॉन शहर में लगभग 2 हजार घर जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ वाले 30 कस्बों और गांवों में से 20 पर यूक्रेन का नियंत्रण है और 10 पर रूस का कब्जा है। कीव और मॉस्को ने बांध के टूटने पर ठोस सबूत के बिना एक दूसरे पर आरोप लगाया है।

एआई की मदद से दुश्मन देशों के नेताओं पर अपना कंट्रोल करेगा चीन

-एक रिपोर्ट में सामने आए चीन के नापाक मनसूबे

टोक्यो । एक समय था जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के मामले में अमेरिका की बढ़त किसी दूसरे देश की पहुंच से बाहर थी। लेकिन चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर तेजी से काम किया है। चीन अपनी सैन्य ताकत में इजाफा करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार हाल के दिनों में चीन लगातार अमेरिका और उसके सहयोगी ताइवान के पास के समुद्री इलाकों पर सैन्य क्षमताओं को तेजी से विकसित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार चीन के सैन्य जानकारों ने कहा कि ड्रैगन इंटेलिजेंस वॉर पर ध्यान दे रहा है। उनका मकसद है एआई की मदद से वहां दुश्मन देशों के इच्छाशक्ति पर अपना कंट्रोल बना सके। चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सामने वाले दुश्मन देशों के सीनियर राजनेताओं पर अपना नियंत्रण कायम कर सके। न्यू सूचना टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ और वाशिंगटन स्थित हडसन इंस्टीट्यूट थिंक टैक के साथ कोइचिरो ताकागी ने कहा कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने ये नहीं बताया है कि वहां मानव अनुभूति को कंट्रोल करने के लिए एआई का उपयोग कैसे करना चाहता है। करीब दो साल पहले एक खबर सामने आई थी जिसमें दावा किया गया था कि चीन द्वारा फाइटर जेट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की टेस्टिंग किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन जे-16 लड़ाकू विमान को किसी मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) की तरह इस्तेमाल करने में सक्षम है। जिसमें पायलट की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे युद्ध के दौरान पायलटों की जान का खतरा कम हो जाएगा। इसके अलावा इससे हवाई क्षमता में भी भारी बढ़ोतरी होगी। मीडिया रिपोर्टों में चीन स्थिति को बढ़ाने के लिए मशीन गन से चलने वाले रोबोटों को सीमा पर भेजने की जानकारी भी पहले सामने आ चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हथियारों और आपूर्ति दोनों को ले जाने में सक्षम दर्जनों स्वायत्त वाहनों को तिब्बत भेजे जाने की बात सामने आई थी। शार्प क्लॉ, जिसे वायरलेस तरीके से संभाला जा सकता है और जो हल्की मशीनगन से लैस है। इसके अलावा मुले-200 को तैनात किया गया है जो मानवरहित सप्लाई वाहन है, लेकिन इसमें भी हथियार को लगाया जा सकता।

कनाडा के जंगलों में लगी आग से कई देश परेशान

लंदन । कनाडा के जंगलों की आग बुझने की जगह लगातार बढ़ रही है। जंगल की इस आग से कई देशों की सांसों पर खतरा तक पैदा हो गया है। कनाडा के जंगलों में लगी आग का असर उसके दस प्रांतों और उसके आसपास के सभी शहरों तक दिख रहा है। आग बहुत ही भयावह तरीके से फैल रही है। कनाडा में आई आपदा से इतना बड़ा खतरा पैदा हो चुका है कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका सहित कई देशों के हजार से ज्यादा दमकलकर्मी इस आग को बुझाने के लिए कनाडा पहुंचे। कनाडा में 414 जगह जंगलों में आग लगी हुई है, जिसमें 249 जगहों पर स्थिति बेकाबू है। इस आग से 33 हजार स्कावयर किलोमीटर का इलाका जल चुका है। आग भले ही कनाडा के जंगलों में लगी है, लेकिन इसका धुआं आस पास के देशों में फैल रहा है। पूरे कनाडा में फैली जंगल की आग से निकलने वाले धुएँ ने न्यूयॉर्क शहर की श्वेत तस्वीर को एक मोटी धुंध की चादर से ढक दिया है। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी के अनुसार, बुधवार की सुबह, न्यूयॉर्क शहर 100 ट्रैक किए गए देशों में सबसे खराब वायु गुणवत्ता और प्रदूषण के मामले में नई दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर था। गुरुवार को खराब हवा असर एक बार फिर से देखने को मिला। न्यूयार्क में प्रदूषण का स्तर इतना ज्यादा हो गया है कि स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी भी धुंए से ढक गई है। कई देशों में हाई रिस्क अलर्ट जारी कर मास्क को भी अनिवार्य कर दिया गया है। कनाडा का बहुत बड़ा भाग जंगल है, और इन जंगलों में लगती आग कनाडा के लिए मुसीबत लेकर आती है। अगर ये कहे कि जलवायु परिवर्तन का असर कनाडा पर साफ साफ दिख रहा है, तब गलत नहीं होगा। कनाडा में जंगल की आग को बाढ़ के बाद दूसरी सबसे बड़ी आपदा माना जाता है। इसलिए यह देखकर एक अलग विभाग भी काम करता है जो कनाडा के जंगलों में हर वर्ष लगने वाली आग की निगरानी करता है। कनाडा सरकार हर साल 812 हजार करोड़ रुपए आग को बुझाने के लिए खर्च करती है।

बिना शादी चुंबन लिया तो सरेआम कोड़ों से कर दी पिटाई

-इंडोनेशिया का एक राज्य ऐसा भी जहां चलता है शरिया का कानून

जर्काता । इंडोनेशिया के एक राज्य में यदि सार्वजनिक स्थान पर चुंबन ले लिया तो कोड़े से पीटा जाता है। अभी हाल ही में यहां से ऐसी एक खबर आई है, जिसमें दो लोगों को अपनी मर्ज़ी से किस करते हुए पकड़ा गया तो उन्हें कानून के मुताबिक 21 कोड़े मारने की सज़ा सुनाई गई। पुलिस की मौजूदगी में जोड़े को ये सज़ा दी गई। जानकारी के मुताबिक ये घटना सुमात्रा की है, जहां 7 जून को ये सज़ा सुनाई गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 23 साल की लड़की को एक 24 साल के लड़के के साथ ये सज़ा मिली। पुलिस के मुताबिक इन दोनों ने देश के आर्टिकल 25 (1) का उल्लंघन किया था। ऐसे में इन्हें 25 कोड़े मारे जाने की सज़ा दी गई। इन्हें पार्किंग में खड़ी कार में किस करते हुए पुलिस ऑफिसर ने देखा था, जिसके बाद इन्हें इस्लामिक लॉ के मुताबिक कस्टडी में ले लिया गया और फिर ये सज़ा सुनाई गई। गौरतलब है कि इंडोनेशिया के जिस इलाके में ये लोग रहते हैं, वहां शरिया कानून चलता है। ऐसे में इनका दंड भी इसी के मुताबिक चुना गया। लड़के और लड़की को अलग-अलग जगहों पर कोड़े मारने के लिए ले जाया गया, जहां मार पड़ते ही लड़की कराहकर ज़मीन पर बैठ गई।

यूक्रेन के खेरसन में आई बाढ़ के बीच ही छतों पर बैठे हुए लोगों को बचाया गया। ये बाढ़ नोवा कखोवका बांध के रुसी हमले में क्षतिग्रस्त होने से आई है।

भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत...पाकिस्तान की केवल 0.29 प्रतिशत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने देश की अर्थव्यवस्था के बारे में अहम आंकड़े पेश किए हैं। पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण 2022/23 के अनुसार, देश की वास्तविक जीडीपी में केवल 0.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कृषि क्षेत्र में 1.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि उद्योगों में 2.94 प्रतिशत की गिरावट आई। पाक जीडीपी में लगभग 60 प्रतिशत का योगदान देने वाले सेवा क्षेत्र में केवल 0.86 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। इस सर्वेक्षण में 30 जून को खत्म हो रहे वित्त वर्ष में राजनीतिक अस्थिरता और अभूतपूर्व बाढ़ के बीच सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा पेश किया है।

हालाँकि, जैसा कि उन्होंने संख्याएँ प्रस्तुत कीं, वित्त मंत्री डार ने पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में कम और वैश्विक पर्यावरण और आर्थिक बुनियादी बातों पर अधिक बात की। डार ने एक राजनीतिक परियोजना (जो) 2010 में परिकल्पित की गई थी, 2018 में फली-फूली और 2022 में अपनी परिणति पर पहुंच गई उसके बारे में जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाक अर्थव्यवस्था जिसे कुछ वर्षों में जी-20 सदस्यता के लिए प्राथमिक माना जाता था। उन्होंने कहा कि इमरान खान की पाकिस्तान तहरी-ए-इंसाफ के कारण अपनी स्थिति खो चुकी थी। हमें अब विकास को फिर से शुरू करना है जहां से इस 2017 में छोड़ दिया गया था। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में कर संग्रह में उच्च वृद्धि के तौर पर सकारात्मक तथ्य भी सामने आया है। संघीय राजस्व बोर्ड ने जुलाई 2022 से अप्रैल 2023 तक 5637.9 अरब रुपये का कर संग्रह किया जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 4855.8 अरब रुपये की तुलना में 16.1 प्रतिशत अधिक है। बता दें कि भारत की जीडीपी (जीडीपी) इन दिनों तेजी से बढ़ रही है। हाल में आए जीडीपी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.2 प्रतिशत रही है।

मोदी के अमेरिकी दौरे से पहले कैसे शुरू हुई पाकिस्तान की उल्टी गिनती, पैसे के लिए कर दिया ये काम

वाशिंगटन / नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में पीएम मोदी के गैंड वेलकम की तैयारियां टॉप गियर पर चल रही है और शहबाज शरीफ डिफॉल्ट गियर लगा चुके हैं। पाकिस्तान में एक बार फिर इस्लामाबाद और नई दिल्ली को कपेयर किया जा रहा है। शहबाज सरकार ने अमेरिका में अपना एक होटल लीज पर दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकी पाकिस्तान को कुछ पैसे मिल सके और खर्च चल सके। जबकि उसी अमेरिका के वाशिंगटन में पीएम मोदी के रेड कारपेट वेलकम की तैयारियां चल रही है।

पाकिस्तान ने न्यूयॉर्क स्थित अपने मशहूर रूजवेल्ट होटल को तीन साल के लिए किराए पर दे दिया है। पाकिस्तान को इस डील से करीब 220 मिलियन डॉलर की रकम हासिल होगी। पाकिस्तान के डुइयन मंत्री ख्वाजा साद रफीक ने बताया कि न्यूयॉर्क प्रशासन को ये होटल तीन साल के लिए लीज पर दिया गया है। बता दें कि पाकिस्तान दो बड़े होटल विदेशओं में हैं, एक न्यूयॉर्क में और दूसरा पेरिस में है। ये दोनों शानदार लोकेशन और हाईटेक सुविधाओं से लैस है।

अमेरिका में पीएम मोदी के 21 जून से शुरू हो रहे दौरे की तैयारियां चल रही हैं। वहीं अमेरिका के एनएसए का दिल्ली दौरा भी होने वाला है। भारत में आकर दोनों देशों के एनएसए मिलकर मोदी की अमेरिका यात्रा का खाका तैयार करेंगे। पाकिस्तान के विश्लेषक वहां के टेलीविजन चैनल पर कहते नजर आ रहे हैं कि एक भारतीय प्रधानमंत्री का लैंडमार्क दौरा और स्वागत होगा। इतिहास लिखा जाएगा। वहीं पाक एक्सपर्ट कमर चीमा कहते नजर आए कि अमेरिका के एनएसए जैक सुलिवेन दिल्ली पहुंच रहे हैं।

डॉ आशीष झा की व्हाइट हाउस कोविड-19 समन्वयक के तौर पर सेवाएं जून तक

वाशिंगटन । भारतीय मूल के अमेरिकी चिकित्सक डॉ आशीष झा की व्हाइट हाउस कोविड-19 समन्वयक के तौर पर सेवाएं जून के अंत में समाप्त हो जाएंगी। एक आधिकरिक बयान में यह जानकारी दी गई। डॉ झा को कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान इस पद पर नियुक्त किया गया था। झा (52) को अप्रैल 2022 में व्हाइट हाउस कोविड-19 समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया था। महामारी का प्रकोप लभगभ समाप्त होने के बाद डॉ झा यह पद त्याग कर ब्राउन विश्वविद्यालय में फिर से अपनी सेवाएं देंगे। वह 'स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' में डीन थे। राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से झा की विदाई की घोषणा से संबंधी एक बयान बृहस्पतिवार को जारी किया गया। इसमें कहा गया कि कोविड-19 ''अब हमारी जिंदगियों को प्रभावित नहीं करता।'' राष्ट्रपति ने बयान में कहा, ''पिछले वर्ष मैंने व्हाइट हाउस कोविड-19 प्रतिक्रिया समन्वयक के तौर पर डॉ आशीष झा को नियुक्त किया। अमेरिका में वह अग्रणी स्वास्थ्य विशेषज्ञ के तौर पर पहचाने जाते हैं और उन्होंने लाखों अमेरिकियों की जान बचाने और उनके जीवन में सुधार लाने के लिए अनेक जटिल चुनौतियों का सामना किया।'' बयान में कहा गया, ''जब मैंने राष्ट्रपति का पद संभाला तब देश महामारी से जूझ रहा था, ऐसी महामारी जो किसी पीढ़ी में एक बार होती है और उसका वायरस ऐसा था जो प्रतिदिन स्वरूप बदल रहा था। मेरे प्रशासन और पूरी सरकार का शुक्रिया, अब हमारे पास संक्रमण से निपटने के लिए तरीके हैं और वायरस अब हमारे जीवन को नियंत्रित नहीं करता।'' ब्राउन यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि झा 'स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' के डीन के रूप में विश्वविद्यालय में एक जुलाई से सेवाएं देंगे।

ग्रेटर नेपाल नक्शे में यूपी का गोरखपुर व बिहार का हाजीपुर क्षेत्र शामिल

-संसद में लगे अखंड भारत के नक्शे पर बौखलाया नेपाल

काठमांडू (एजेंसी)। भारत के नए संसद भवन में अखंड भारत की लगी तस्वीर से नेपाल में भूचाल आ गया है। यह तस्वीर लगातार चर्चा में बनी हुई है। दरअसल, नए संसद भवन में अखंड भारत का एक नक्शा भी लगा हुआ है। अखंड भारत के इस नए नक्शे को देखकर कई देशों की बेचैनी भी बढ़ गई है। पड़ोसी मुल्क नेपाल भी इस पर चिंतित हो उठा है। ऐसे में काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने जवाबी कदम के रूप में अपने कार्यालय में एक नया ग्रेटर नेपाल नक्शा रखा है। इसमें उत्तर प्रदेश और बिहार के कई इलाकों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। हालांकि नेपाल सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है, लेकिन सीपीएन-यूएमएल सहित विपक्षी दलों ने उस मानचित्र का विरोध किया है, जो हिमालयी राष्ट्र को प्राचीन भारतीय भूभाग के हिस्से के रूप में दिखाता है।

मेयर शाह वर्तमान में अपनी पत्नी के इलाज के लिए बैंगलुरु में हैं, उन्होंने अपनी भारत यात्रा से पहले मानचित्र को अपने कार्यालय में रखा था। एक समय नेपाल का भूभाग पूर्व में तीस्ता से लेकर पश्चिम में सतलज तक फैला हुआ था।

हालांकि, अंग्रेजों के साथ युद्ध के बाद नेपाल ने अपनी भूमि का एक बड़ा हिस्सा खो दिया। युद्ध के बाद मेची से तीस्ता और महाकाली से लेकर तीस्ता तक के प्रदेश सतलज को स्थायी रूप से भारत में मिला लिया गया। 4 मार्च 1816 को नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच सुगौली संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने नेपाल के क्षेत्र को मेची-महाकाली तक सीमित कर दिया। इस नए नक?शे में यूपी का गोरखपुर और उससे लगा इलाका तथा बिहार के कई इलाके नेपाल का हिस?सा दिखाए गए हैं।

शाह के कार्यालय में ग्रेटर नेपाल के नक्शे में पूर्वी तीस्ता के क्षेत्र शामिल हैं। पश्चिम कांगड़ा जो वर्तमान में भारतीय क्षेत्र हैं। अब भी आवाज उठाई जा रही है कि भारत को वह जमीनें नेपाल को वापस कर देनी चाहिए। राष्ट्रवादी कार्यकर्ता फणींद्र नेपाल लंबे समय से वृहत्तर नेपाल के लिए प्रचार कर रहे हैं। संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा ने गुरुवार को कहा कि देश को ग्रेटर नेपाल मैप भी आधिकारिक तौर पर प्रकाशित करना चाहिए।

वकील की हत्या के मामले में इमरान खान को संरक्षण के साथ जमानत

- आठ अन्य अर्जियों पर फैसला सुरक्षित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके खिलाफ दर्ज एक वरिष्ठ वकील की हत्या के मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण के साथ जमानत दे दी और आठ अन्य मामलों में उनकी जमानत याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा। उच्चतम न्यायालय के वकील अब्दुल रज्जाक शर की हत्या के मामले में खान पर आरोप हैं। वकील की अज्ञात बंदूकधारियों ने छह जून को क्रेटा में गोली मारकर हत्या कर दी थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की थी जहां मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की खंडपीठ ने मामले में सुनवाई की। शर के बेटे का आरोप है कि उनके पिता की हत्या इमरान खान के इशारे पर की गई क्योंकि वकील ने बलूचिस्तान उच्च न्यायालय में खान के खिलाफ एक मामला दर्ज कराया था। प्रारंभिक दलीलों के बाद पीठ ने दो सप्ताह के संरक्षण के साथ खान को जमानत दे दी। खान की पार्टी के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर डाले गए एक वीडियो में उनकी काली एसयूवी गाड़ी को उनके निजी सुरक्षा कर्मियों के घेरे में अदालत परिसर में प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है। इससे पहले इमरान खान लाहौर से इस्लामाबाद पहुंचे और गत नौ मई को अपनी गिरफ्तारी के बाद हुए हिंसक प्रदर्शनों से जुड़े एक दर्जन से अधिक मामलों और तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अपनी जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पेश हुए।

गोपनीय दस्तावेज मामले में डोनाल्ड ट्रंप पर लगा अभियोग, 7 आपराधिक मामले शामिल

-राष्ट्रपति के चुनाव में अभियोग बनेगा ट्रंप की राह में रोड़ा

मियामी (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित आवास पर गोपनीय दस्तावेज मिलने के मामले में उन्हें अभ्यारोपित किया गया है। ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहते हैं, ऐसे में यह मुकदमा उनकी राह में मुश्किलें खड़ी कर सकता है। न्याय विभाग ने इस अभियोग की तत्काल सार्वजनिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन स्थिति से अवगत दो लोगों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि अभियोग में सात आपराधिक मामले शामिल हैं। इनमें से एक व्यक्ति ने बताया कि अभियोजकों ने ट्रंप के वकीलों से संपर्क किया था। इसके कुछ ही समय बाद 'ट्रूथ सोशल' मंच परघोषणा की गई कि ट्रंप पर अभियोग लगाया गया है।

न्याय विभाग के लंबे इतिहास में यह अभियोग राजनीतिक रूप से सबसे अधिक जटिल मामला प्रतीत होता है। घोषणा के 20 मिनट के भीतर ट्रंप ने 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार अभियान के लिए धन जुटाना शुरू कर दिया।

ट्रंप ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं बेकसूर हूं

ट्रंप ने एक वीडियो संदेश में कहा कि मैं बेकसूर हूं। उन्होंने दोहराया कि यह जांच उन्हें फंसाने के लिए है। यह मामला ट्रंप के लिए एक और मुश्किल पैदा कर सकता है, क्योंकि न्यूयॉर्क में भी एक मामले में उन पर अभियोग लगाया गया है और वाशिंगटन एवं अटलांटा में उनके खिलाफ अतिरिक्त जांच हो रही है, जिसमें भी आपराधिक आरोप लग सकते हैं।

विशेष वकील जैक स्मिथ की महीनों की जांच के बाद यह अभियोग लगाया गया है। स्मिथ इस बात की जांच कर रहे थे कि क्या ट्रंप ने सैकड़ों गोपनीय दस्तावेज अपने पाम बीच आवास 'मार-ए-लागो' में ले जाकर कानून तोड़ा या रिकॉर्ड हासिल करने के सरकार के प्रयास में बाधा डाली। अभियोजकों ने कहा कि ट्रंप व्हाइट हाउस से जाने के बाद तकरीबन 300 गोपनीय दस्तावेज अपने 'मार-ए-लागो' आवास ले गए। इनमें करीब 100 वो दस्तावेज भी शामिल थे जिन्हें पिछले साल अगस्त में संघीय जांच ब्यूरो ने घर की तलाशी के दौरान जब्त किए थे।

भारत में वीजा के लिए लोगों को करना पड़ता 600 दिन तक का इंतजार

-अमेरिका के शीर्ष सांसदों में वीजा वेटिंग टाइम को लेकर मची हलचल

-भारतीय पीएम मोदी 21 से 24 जून तक होंगे अमेरिकी दौरे पर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार बताते हुए राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से देश में वीजा प्रतीक्षा समय के मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का अनुरोध किया है। सीनेट की विदेशी संबंधों से जुड़ी समिति के अध्यक्ष सांसद बॉब मेनेंडेज और हाउस इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष माइकल वाल्ट्ज ने 'कॉन्सुलर अफेयर बजट' पर कांग्रेस की दो अलग-अलग सुनवाई के दौरान विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों से पूछा कि भारत में वीजा के लिए लोगों को 600 दिन तक का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? मेनेंडेज ने कहा कि अमेरिका और भारत के लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। भारत अब 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह) का हिस्सा है। हम उसे अपने भू-रणनीतिक हितों में लगातार शामिल कर रहे हैं। न्यू जर्सी में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी और उनके परिवार रहते हैं। मैं भारत में बी1-बी2 आवेदकों के प्रतीक्षा समय को कम करने की दिशा में मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करता हूं।

मेनेंडेज ने सीनेट की विदेशी संबंधों से जुड़ी समिति की सुनवाई के दौरान कहा कि हालांकि इसके बावजूद पिछले एक साल से भारत में पहली बार किसी बी1-बी2 आवेदकों को औसतन 450 से 600 दिन का इंतजार करना पड़ रहा है। यह वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक प्रतीक्षा समय है। इसमें 600 दिन क्यों लग रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 जून को अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे।

सांसद वाल्ट्ज ने 'हाउस फॉरेन रिलेशन्स कमेटी' की सुनवाई के दौरान कहा कि मैं यूएस इंडिया कॉकस का सह-अध्यक्ष हूं। मुझे लगता है कि यह 21वीं सदी में हमारे सबसे अधिक परिणामी आर्थिक राजनयिक सुरक्षा संबंधों में से एक है। हालांकि, मुझे भारतीय अमेरिकियों तथा हमारे भारतीय सहयोगियों से लगातार प्रतीक्षा समय को लेकर शिकायतें मिल रही हैं। इस तथ्य के बावजूद कि भारत में हमारे दूसरे या तीसरे सबसे अधिक 'कांसुलर' मामलों के अधिकारी पदस्थ हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत के मुंबई में प्रतीक्षा समय औसतन 587 दिन है। वाल्ट्ज ने कहा कि वीजा मिलने में देरी से व्यापारिक संबंध भी प्रभावित होंगे। कांसुलर मामलों की सहायक विदेश मंत्री रीना बिटर ने कांग्रेस की दो अलग-अलग सुनवाइयों में सांसदों से कहा कि विदेश मंत्रालय इससे निपटने की पूरी कोशिश कर रहा है और इसके समाधान के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वीजा प्रतीक्षा समय लगभग दो तिहाई तक कम हुआ है।

संपादकीय

थोड़े में बहुत

हमारे जीवन में हमको ऐसे अनेकों प्रसंग से प्रेरणा मिलती है जो हमको थोड़े में ही बहुत कुछ बता देती हैं । शरीर से ज्यादा मांग हमारे इस मन की ही होती है । शरीर तो थोड़े में तृप्त हो जाता है पर मन की मांग सदा रोती रहती है ।मन कभी सामग्री से सन्तुष्ट नहींहोता है । पुष्ट व संतुष्ट उसका पात्र तो कभी भरता ही नहीं हैं । ऐसा ढीठ व जिद्दी वह होता है जो आंख दिखाने से भी नहीं डरता हैं । इसे तो बड़े प्यार-दुलार से हमको समझना होगा।इसे मानने केलिए तो धीरे - धीरे इसके बहुत करीब जाना होगा। जब आवश्यकता और आकांक्षा में अंतर हमको समझ आएगा। तब ही हमारी असंग्रह वृति सजग जागेगी । गुरुवर्य फरमाते अहिंसा परमोधर्म् से पहले मानो अपरिग्रह परमो धर्म् हिंसा का मूल है परिग्रह।जहा लाहो तहा लोहो । लाभ बढ़ेगा उतना बढ़ता जाएगा लोभ। मनचाहा न मिलने पर जागेगा क्षोभ। इच्छाओ आगास समा अणन्तया । क्योंकि हमारी आवश्यकताएं तो पूरी हो सकती हैं लेकिनआकांक्षाएं नहीं। इसलिये हम संतोषवृति को अपनाएं वह जीवन को सुखी बनायें। कहते है कि हर पल समय बीत रहा है साथ मेंपरिवर्तन भी चल रहा हैं । जो इस परिवर्तन के साथ अपने जीवन में चला उसने शाश्वत सत्य को पहचान लिया है ।हर पल बदल रही हैयह हमारी उम्र , अनुभव , बड़प्पन , रुप , आदि जिन्दगी में । इस जीवन में हमारे कभी छांव है तो कभी धूप भी हमको मिलती हैं । इस जीवन का हर पल यहाँ हम जी भरके अध्यात्म से परिपूर्ण रहते हुए जिये व आनन्द में रहे । इस तरह थोड़े में बहुत कुछ हमारा जीवन समाहित हो जाता हैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

किसानों को भी मिले कार्पोरेट जैसी उदार मदद

देविंदर शर्मा

जैसा कि ऑक्सफैम की एक रिपोर्ट बताती है कि देश में निचले तबके वाली 50 प्रतिशत जनसंख्या कुल जीएसटी उगाही में दो-तिहाई है, जबकि चोटी का 10 प्रतिशत वर्ग केवल 3-4 फीसदी। यहां, चोटी के 10 फीसदी अमीरों में वे हैं, जिनकी कमाई 25000 रुपये महीना या इससे अधिक है! बात पुनः ट्वीटर पर चली बहस की करें तो अपने उत्तर में मैंने ट्वीट किया : 'हां, मेरे कर का पैसा कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात देने में इस्तेमाल के लिए नहीं है।' इस ट्वीट पर काफी संख्या में लोगों ने देखा, अभी तक यह संख्या 301000 पार हो चुकी है। यह साफ दर्शाता है कि समाज के काफी बड़े तबके को अहसास है कि कैसे कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात मिल रही है और वह भी तथाकथित तरक्की की आड़ में।

विदेश यात्रा के दौरान क्रेडिट कार्ड के जरिये भुगतान पर 20 प्रतिशत कर लगाने पर माहौल गर्माने के बाद सोशल मीडिया पर रोचक बहस छिड़ गई। एक जाने-माने और बड़े कारोबारी ने एक पोस्टर साझा किया, जिसकी इबारत थी : 'मैं एक करदाता हूं, मेरा कर राष्ट्र के लिए है, न कि मुफ्त की रेवड़ियां लुटाने को।' इस ट्वीट ने खासी प्रतिक्रिया अर्जित की। सरकार ने अपने रुख में लचीलापन दिखाते हुए संशोधन किया कि 20 प्रतिशत कर तभी लगेगा जब विदेश में क्रेडिट कार्ड आधारित भुगतान की रकम 7 लाख से ज्यादा बने। इस पर भी ट्वीटर पर रोचक एवं अर्थपूर्ण प्रतिक्रियाएं आईं। एक ट्वीटर उपभोक्ता ने कहा - 'जब सिपाही सीमा पर खड़े हैं, तो अमीर आदमी क्यों नहीं क्रेडिट कार्ड से किए भुगतान पर 20-प्रतिशत टैक्स भर सकता।' यह ऐसा जुमला है जो नोटबंदी समर्थकों द्वारा गढ़े गए 'तर्कों' से प्रेरित लगता है। अमीर वर्ग ने सावधानीपूर्वक और निरंतर प्रचार से आभास गढ़ा है मानो देश का विकास केवल उनके यानी कॉर्पोरेट्स द्वारा चुकाए करों पर निर्भर है। यह बात सही है कि जो लोग परोक्ष कर भरते हैं उनकी चिंता इस बात पर जायज है कि उनके कराधान का पैसा कहां जा रहा है। लेकिन यह आभास देना कि सिर्फ अमीर ही कर भरता है, एकदम गलत है। जीएसटी के आने के बाद से, एक गरीब आदमी अगर हवाई चप्पल जैसी वस्तु खरीदता है तो भी टैक्स भरता है। आम नागिरक अन्य आवश्यक वस्तुओं पर भी कर चुकाता है, जिसमें थैलीबंद दूध एवं पनीर जैसे दुग्ध उत्पाद भी शामिल हैं। फैलाई गई कहानी कि केवल कॉर्पोरेट्स ही कर भरते हैं, इसको बदलना होगा। जैसा कि ऑक्सफैम की एक रिपोर्ट बताती है कि देश में निचले तबके वाली 50 प्रतिशत जनसंख्या कुल जीएसटी उगाही में दो-तिहाई है, जबकि चोटी का 10 प्रतिशत वर्ग केवल 3-4 फीसदी। यहां, चोटी के 10 फीसदी अमीरों में वे हैं, जिनकी कमाई 25000 रुपये महीना या इससे अधिक है! बात पुनः ट्वीटर पर चली बहस की करें तो अपने उत्तर में मैंने ट्वीट किया : 'हां, मेरे कर का पैसा कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात देने में इस्तेमाल के लिए नहीं है।' इस ट्वीट पर काफी संख्या में लोगों ने देखा, अभी तक यह संख्या 301000 पार हो चुकी है। यह साफ दर्शाता है कि समाज के काफी बड़े तबके को अहसास है कि कैसे कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात मिल रही है और वह भी तथाकथित तरक्की की आड़ में। यहां मुख्य बात यह है कि हम वाकई नहीं चाहते कि हमारा धन कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की रेवड़ियों की तरह बंटे। पहले यह जानने की कोशिश करें कि लोगबाग कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात बांटने पर क्यों खफा हैं। भारत में, अन्य मुल्कों की भांति, कॉर्पोरेट्स को फायदा न केवल लंबे समय की कर-वसूली में माफी देकर बल्कि घटी दरों का कॉर्पोरेट्स टैक्स और आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज देकर भी पहुंचाया जाता है और उनकी मदद अन्य तरीकों से, जैसे कि सस्ती दर पर जमीन, सस्ती बिजली और सब्सिडी वाला बैंक ऋण इत्यादि देकर भी की जाती है। जहां उद्योग जगत सोचता है कि यह प्रोत्साहन तरक्की के लिए है, जबकि कुछ समय पहले हुए एक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में माना था कि जिसे उद्योगों को बढ़ावा देने वाला प्रोत्साहन कहा जाता है, वह भी एक सब्सिडी है।राष्ट्र के खजाने को खाली करने के अलावा मुफ्तखोर देश के प्राकृतिक स्रोतों का भी दोहन करते हैं। इसने वह आय असमानता भी पैदा कर डाली है, जो हर साल बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अध्ययन के मुताबिक, हर साल उद्योग जगत को 7.3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य की प्राकृतिक संपदा के दोहन की छूट दी जाती है। इतने विशाल स्तर की सब्सिडी हटा दी जाए तो कॉर्पोरेट्स का मुनाफा धराशायी हो जाएगा। इसलिए अमीर और अमीर हो रहे हैं और गरीब और गरीब। अनुमान बताते हैं कि दुनियाभर में चोटी के अमीर, जो कि सकल जनसंख्या का 0.01 प्रतिशत हैं, उनके हाथ में इतनी धन-संपदा का नियंत्रण है जो निचले पायदान पर बैठी 90 फीसदी जनसंख्या के बराबर है।ऐसे में सवाल उठता है कि क्यों केवल अमीरों को ही बैंकों से ऋण माफी के अलावा घटी दर पर कर भरने का लाभ मिलता है? उदाहरणार्थ, भारत में, कोविड महामारी से पहले, 2019 में कॉर्पोरेट जगत को हर साल 1.45 लाख करोड़ रुपये की कर-छूट दिये जाने की घोषणा की गई। इतनी विशाल कर-छूट ऐसे समय पर दी गई जब अधिकांश अर्थशास्त्री राष्ट्रीय धन को ग्रामीण क्षेत्र में वस्तु-मांग बढ़ाने के लिए उपयोग करने की सलाह दे रहे थे। कॉर्पोरेट्स को मिली यह सौगात 1.8 लाख करोड़ रुपये के उस आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज के अलावा है, जो वर्ष 2009 में वैश्विक महामंदी के बाद भारत सरकार ने उद्योग जगत को दिया था। इसका मतलब है कि इन सालों में 20 लाख करोड़ रुपए पहले ही अमीरों को जा चुके हैं। अगर कहीं यह पैसा केवल कृषि क्षेत्र में निवेश कर दिया जाता तो खेती संबंधी संत्रास इतिहास की बात हो जाता। दूसरी ओर, जब भी सरकार प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के तहत किसानों को प्रति तिमाही 2000 रुपये जारी करती है तो इसका प्रचार बड़े जोर-शोर से किया जाता है, इसके बरक्स कॉर्पोरेट जगत को हर साल 1.45 लाख करोड़ रुपये की कर-छूट का जिक्र तक नहीं होता। वित्तीय वर्ष 2021 की समाप्ति तक भारतीय बैंकों ने कॉर्पोरेट जगत के अनचुके ऋण की 11.68 लाख करोड़ रुपये की विशाल राशि बट्टे खाते में डाल दी है। रोचक कि, मार्च, 2022 तक, इरादतन ऋण अदायगी न करने

वालों में चोटी के 50 कर्जदारों की तरफ बैंकों का 92,570 करोड़ रुपये बकाया था। ये वह लोग हैं जो कर्ज वापस करने की स्थिति में हैं, लेकिन करना नहीं चाहते।इसी प्रकार, सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 क्षेत्रों में 1.97 लाख करोड़ रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। वास्तव में, यह सब्सिडी पहले संत्रास भुगत रही कृषि को दिए जाने की जरूरत थी। विडंबना है कि व्यापार जगत के कुछ अग्रणी लोग मानते हैं कि बैंकों द्वारा माफ किया धन उनके मुनाफे से है, इसलिए इसका संबंध कराधान से मिलने वाले पैसे से नहीं है। लेकिन शायद वे यह मानना नहीं चाहते कि बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाले गए पैसे की वसूली सरकार अन्य ढंग से करती है, जिसका मतलब कि यह ऋण-माफी दरअसल आम कर-दाता के पैसे से होती है। सवाल यह भी कि क्यों भारत में केवल कॉर्पोरेट्स को ही ऋण-माफी की सुविधा है जबकि छोटा-सा कर्ज न चुका सकने की एवज में किसी किसान को जेल तक जाना पड़ जाता है? क्यों इरादतन ऋण-चोरों से बड़ी नरमी से बर्ताव जबकि कर्ज देने में चूके किसान को जेल की सजा?यह देखना दर्दनाक है कि कैसे किसान मंडी में वाजिब दाम न लगने के कारण अपना आलू, प्याज, टमाटर, गोभी आदि उत्पाद सड़कों पर फेंकने को मजबूर हैं। खेती में संत्रास पिछले काफी वक्त से कायम है। खेत-मजूरी भी काफी सालों से एक जगह पर अटकी है। सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता यह वह अनियोजित क्षेत्र है जिसे फौरी मदद की जरूरत है। यदि कृषि फले-फूलेगी तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनेक पहलुओं पर इसका सकारात्मक असर होगा लिहाजा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था भी ऊपर चढ़ेगी। यही वह क्षेत्र है मेरे द्वारा चुकाए टैक्स का पैसा जाना चाहिए।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

बच्चों में शिक्षा, खेल और बाल साहित्य के बीच जो दूरी बढ़ गई है, उसे खत्म करना होगा

(लेखक- विजय गर्ग)

जिस उम्र में हम डरते-डरते साइकिल सीख रहे थे, उस वय के बच्चों को करतब करते हुए मोटरसाइकिल चलाते देख आंखें खुली की खुली रह जाती हैं। मोबाइल और लैपटाप पर सधे अंदाज में चलती उनकी अंगुलियां भी कम हैरतअंगेज नहीं हैं। यहां क्या नहीं है? खोजने पर शेक्सपियर, गोर्की, बालजाक, लुइस कैरोल से लेकर प्रेमचंद, प्रसाद, सुभद्राकुमारी चौहान, दिनकर, सत्यजित रे, गुलजार, बच्चन का वैविध्यपूर्ण मोहक साहित्य मिल जाएगा। यहां एनीमेशन है, तो भूत-प्रेत की डरावनी दुनिया भी! खौफनाक कारनामों भरे वीडियो गेम, कार्टून, जुआ के साथ-साथ गेमरों-हैकरों की बेसिर-पैर की कहानियां भी मिलेंगी। तीन दशक पहले टीवी, फिर वीडियो गेम और अब मोबाइल-लैपटाप के जरिए असीमित डेटा वाले इंटरनेट ने आज के बच्चों को व्यस्त रखने का ऐसा इंतजाम कर दिया है कि खेल का मैदान और किताबें उनसे दूर चली गई हैं।

कभी सफदर हाशमी ने एक कविता लिखी थी- 'किताबें कुछ कहना चाहतीं हैं'। इसमें पुस्तकों की सार्थकता को कई स्तरों पर रेखांकित किया गया था। मगर आज की तारीख मेंज किताबों की बातें बीते जमानों की, दुनिया के इंसानों की, आज और कल की, खुशियों और गमों की- सब एक गूगल में समाहित है। कितने लकदक और बड़े संसार में जी रहे हैं आज के बच्चे! मगर ये उदास हैं। धमा-चौकड़ी, शरारतें, ठिठोलियां, खिलंदड़ापन- यह सब तो बचपन का हिस्सा है। इसका न होना भी कैसा बचपन! नपा-तुला व्यवहार, ओढ़ी हुई गंभीरता, अकेलेपन से घिरे और सपनों की चमक से खाली आंखें..। कुछ तो गड़बड़ लगता है।

हमारे अपने बचपन में आज जैसी जगमग स्थिति नहीं थी, मगर खुशियों की बेशुमार धड़कनें समाहित थीं। बसवाड़ियों और पोखरों से भरा गांव, जिसके आखिर में घनी अमराइयां और आगे आसमान नीचे आकार धरती को ढक लेता था। छोटी-सी दुनिया और उससे जुड़ी हमारी ढेर सारी जिज्ञासाएंज इसके लिए हमारे मां-बाबूजी तो थे ही! दादा-दादी, काका-काकी और भाई-भौजाई की पूरी जमात थी। इनमें जो भी फुर्सत में होता, उससे हम अपनी बात कह सकते थे। यहां तक कि पड़ोस के बड़े-बुजुर्ग भी हमारा मार्गदर्शन करने में पीछे नहीं रहते थे। सर्दियों में अलाव के आसपास किस्से-कहानियों की दुनिया आबाद हो जाती थी। कुछ कहानी तो पूरी की पूरी गाकर सुनाई जाती थी। इन कहानियों को सुनते हुए हमारा मन हर्ष, विषाद, रहस्य-रोमांच और 'अब क्या होगा' की जिज्ञासा से भरा खूब सजग रहता था। कहावतों में छिपी कहानी, लोरी, खेलगीत, कटबैठी, बुझौवल (पहेली) जैसी ढेरों लोक विधाएं हमारे मनोरंजन के लिए गली-गली में बिखरी पड़ी थीं। कठबैठी और बुझौवल का हल निकालने में खूब दिमागी कसरत करनी पड़ती थी।

हमारे बचपन में जो सबसे बड़ी चीज थी, वह थी लोक जीवन की सांस्कृतिक धड़कनें और समुदाय के बीच सघन संवाद। मेले और त्योहार हमारे जीवन में सामुदायिक उल्लास के अवसर ले आते थे। हम मिल-जुलकर खूब खेलते थे। आज शहर से गांव तक सामूहिकता और संवाद की दुनिया का लोप हो चुका है।

बच्चा ठीक से बोलना भी नहीं शुरू करता कि करिअर की लंबी दौड़ का घोड़ा बनाया जाने लगता है। वह बाहर जाकर बच्चों में खेलना चाहता है, मगर मां उसे नर्सरी की अंग्रेजी कविताएं रटवाती है, ताकि उसका अच्छे अंग्रेजी माध्यम स्कूल में दाखिला हो जाए। तीन साल का बच्चा बस्ते में मां-बाप की महत्वाकांक्षा ढोने के लिए मजबूर हो जाता है। विद्यालय, होमवर्क और कोचिंग के बीच पेंडुलम बने बच्चे खेल के मैदान, दादी-नानी की कहानियों, सहपाठियों की आपसी धींगामुश्ती, शरारतों और बाल साहित्य से दूर जा चुके हैं। हां, इनके पास मोबाइल, टीवी और रिमोट है। बच्चों की पहुंच में अब वह सब भी है, जो अभी उन्हें नहीं दिखना चाहिए!

यह देखने में आ रहा है कि पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा की सान पर चढ़े आज के बच्चे संवेदना खो रहे हैं। इनके मन से कोमलता, निश्छलता, सहजता, भोलापन, रागात्मकता, चंचलता की वृत्ति विरल होती जा रही है। इन बच्चों में अनियंत्रित उत्तेजना, आक्रोश, हिंसा और आक्रामकता बढ़ रही है। आज के कुछ बच्चे कई बार क्रोध में पागल होकर सहपाठी, अध्यापक, प्राचार्य, यहां तक कि मां-बाप पर जानलेवा हमला करने लगे हैं।

दरअसल, निजी क्षेत्र की शिक्षा मूलतः शिक्षा की मुख्यधारा में एक नकारात्मक हस्तक्षेप है। पढ़ाई हमारे समय में भी थी, लेकिन ऐसी जी हलकान करने वाली नहीं! शिक्षाविद अब महसूस करने लगे हैं कि बच्चों को अगर कल का बेहतर नागरिक बनाना है, संवेदनशील मनुष्य के रूप में ढालना है, उसके अंदर सामाजिकता और सामुदायिकता के गुणों की पुनर्स्थापना करनी है तो शिक्षा, खेल और बाल साहित्य के बीच जो दूरी बढ़ गई है, उसे खत्म करना होगा। हमें बच्चों को ऐसा महौल देना होगा, जहां बच्चे पढ़ें कम और सीखें ज्यादा। खेलें-कूदें और रचनात्मक बनें।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

एमएसपी की गारंटी क्यों चाहते हैं किसान

(लेखक-सनत कुमार जैन)

सरकार, समर्थन मूल्य पर कृषि उत्पाद के दाम तय करती है। सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य के दाम किसानों को नहीं मिल पाते हैं। किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर गारंटी की मांग पिछले कई वर्षों से की जा रही है। एमएसपी रेट घोषित करके सरकार वाहवाही लूटना चाहती है। सरकार कहती है, उसने दाम बढ़ा दिए। लेकिन किसानों के उत्पाद को सरकार समर्थन मूल्य पर भी नहीं खरीदती है। जिसके कारण यह केवल कागजी घोषणा होती है। इसका लाभ किसानों को नहीं मिलता है।इस साल मंडियों में मसूर समर्थन मूल्य से 400 से 600 रूपये प्रति क्विंटल कम दामों पर बिकी। केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकारों ने समर्थन मूल्य पर किसानों से मसूर नहीं खरीदी।जिसके कारण किसानों को समर्थन मूल्य से कम कीमत पर,मंडियों में अपनी फसल बेचना पड़ी है। हाल ही में केंद्र सरकार ने किसानों को राहत देते हुए,न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में समर्थन मूल्य बढ़ाने का निर्णय लिया गया। सरकार ने धान, ज्वार, बाजरा ,रागी, मक्का, तुवर ,मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन, राम तिल,कपास इत्यादि के समर्थन मूल्य में 5 फ़ीसदी से लेकर 10 फ़ीसदी की वृद्धि की है। इसे किसानों के हित में लिया गया बड़ा फैसला बताया गया है। मसूर का उदाहरण ऊपर दे चुके हैं। सूरजमुखी की खरीद हरियाणा में समर्थन मूल्य पर नहीं होने के कारण, किसान धरने पर बैठे हैं। किसानों ने एनएच को जाम किया, किसानों पर लाठीचार्ज हुआ किसानों को गिरफ्तार किया गया।यह समर्थन मूल्य की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने पत्रकार वार्ता में सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने समर्थन मूल्य घोषित करते समय, एग्रीकल्चर कमीशन की रिपोर्ट पर ध्यान नहीं दिया। लागत मूल्य पर 50 फ़ीसदी लाभ के आधार पर समर्थन मूल्य घोषित किए जाने का नियम है. उन्होंने दावा किया, कि यूपीए सरकार के 10 साल के कार्यकाल में समय-समय पर सरकार ने 10 फ़ीसदी से लेकर 44 फ़ीसदी तक समर्थन मूल्य का दाम निर्धारित किया था। उन्होंने कहा मोदी सरकार किसानों की पीठ पर लाठियां और पेट पर लात मार रही है। वहीं हरियाणा पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों ने समर्थन मूल्य पर गारंटी की मांग को लेकर पिछले 18 महीने से जो किसान आंदोलन चल रहा है। वह उग्र रूप लेता जा रहा है। सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य तो घोषित कर देती है। लेकिन किसानों से उसकी उपज खरीदने की व्यवस्था नहीं करती है। गेहूं और धान की खरीदी बड़े पैमाने पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा की जाती है। किसानों की उपज का अधिकतम 40-50 फीसदी से ज्यादा उपज सरकार द्वारा नहीं खरीदने के कारण, किसानों को समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर बाजार में उपज बेचना पड़ती है। हाल ही के वर्षों में पेट्रोल, डीजल,रासायनिक खाद, कीटनाशक एवं परिवहन की लागत में भारी वृद्धि हुई है। उसकी तुलना में न्यूनतम समर्थन मूल्य में काफी कम वृद्धि की गई है। किसानों को लागत मूल्य पर 50 फीसदी लाभ के नियम को छोड़ दे अपने उत्पाद की वास्तविक लागत भी नहीं मिल पा रही है। जब नई फसल आती है, तो बाजार तेजी के साथ गिर जाते हैं। उसके बाद तेजी के साथ बढ़ने लगते हैं। विशेष रूप से सब्जी और अन्य सीजनल फसलों में किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। बिचौलियों को सारा फायदा हो रहा है। जिसके कारण किसानों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। देश में दलहन और तिलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा बड़े प्रयास किए जा रहे है। जब तक समर्थन मूल्य की गारंटी नहीं होगी, तब तक किसानों को उत्पादन बढ़ाने में कोई रुचि नहीं है। सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करते समय, यह भी देखना होगा कि किसानों की उत्पादन लागत कितनी बढी है। बढ़ी हुई लागत के हिसाब से न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित होता है। सरकार उस उत्पाद को स्वयं खरीदने की गारंटी देगी। तभी जाकर किसानों को लाभ मिलेगा। अन्यथा चुनावी घोषणा की तरह, यह वादे हैं वादों का क्या। एक तरफ सरकार दलहन और तिलहन का बड़े पैमाने पर आयात करती है। बढ़े हुए दामों में उपभोक्ताओं को उत्पाद खरीदना पड़ते हैं।वहीं सरकार को विदेशी मुद्रा खर्च करनी होती है। किसान पिछले कई दशकों से यह सब देखते और सुनते आ रहे हैं।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर भी उनकी फसलें नहीं बिकती हैं। किसानों को लागत मूल्य और 50 फीसदी का भी लाभ नहीं मिल पाता है। जिसके कारण किसान अपनी खेती की जमीन बेचकर, मजदूर बनने विवश हो रहे हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का सबसे बड़ा जरिया कृषि उत्पाद हैं। सरकार ने समय रहते, यदि इस पर ध्यान नहीं दिया,तो स्थिति बड़ी भयावह हो सकती है। किसान भी इसी मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार जो समर्थन मूल्य घोषित करती है, उसमें किसानों की फसल की खरीदी सरकार सुनिश्चित करे।

आज की आवश्यकता

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी

भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंद्रक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ख्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

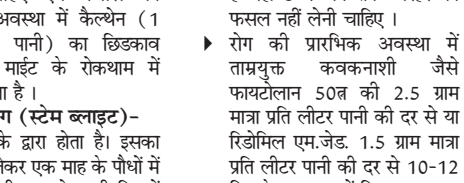

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्र-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है। दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है। इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है। रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं। एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्र + थायरम 50त्र के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें।

अरहर का बाँझ रोग -

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है। रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं। पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं। फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं।

अरहर का बाँझ रोग -

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप। दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है। शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है। प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं। साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं। इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)- प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्र की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए।
- रोगरोधी किस्में जैसे :– पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

डीएसग्रुप ने द गुड स्टफ प्रा. लिमिटेड और इस के ब्राण्ड्स- द लव इट चॉकलेट एण्ड कन्फेक्शनरी का अधिग्रहण किया

मल्टी बिज़नेस कॉर्पोरेशन और अग्रणी एफएमसीजी सदन धरमपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने लव इट चॉकलेट एण्ड कन्फेक्शनरी ब्राण्ड (जिसका स्वामित्वपहलेगोल्डमैनसैश एण्ड मित्सुईवेंचर्स के पास था) के मालिक द गुड स्टफ प्रा. लिमिटेड (जिसे पहले ग्लोबल सी पी प्रा. लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) का अधिग्रहण किया है। यह अधिग्रहण ग्रुप के कन्फेक्शनरी पोर्टफोलिया को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ग्रॉसरी एवं अन्य रीटेल आउटलेटस में कंपनी की पहुंच बढ़ेगी।

डीएसग्रुप ने साल 2012 में कन्फेक्शनरी के कारोबार में प्रवेश किया, ब्राण्ड के पोर्टफोलियो में कई लोकप्रिय नॉन-चॉकलेट ब्राण्ड जैसे पासपास, पल्स, चिंगल्स, रजनीगंधा सिल्वर पर्ल्स, में शामिल हैं। इसके अलावा हाल ही में ब्राण्ड ने भारत में पहले लॉन्च के लिए लक्ज़री स्विस चॉकलेट ब्राण्ड लैडेराच के साथ भी साझेदारी की है। पल्स पिछले 7 सालों से हार्डबोइल्ड कैंडी सेगमेन्ट में अपने आपको मजबूती से स्थापित किए हुए है। वहीं ब्राण्ड लव इट की बात करें तो यह डेकेडेन्ट चाकलेट एवं कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज लेकर आता है, जो रिचमिल्की चॉकलेट, स्वादिष्ट चॉकलेट में लिपटे क्रंची वेफर्स, फ्रूट/ चॉकलेट फ्लेवर की लॉली पॉप, एक्लेयर्स, शुगर पैन्ड चॉकलेट्स और चोको स्नैक्स के साथ कन्फेक्शनरी पोर्टफोलियो को मजबूत बनाता है।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने ओडिशा में हाल ही में हुई रेल दुर्घटना से प्रभावित पॉलिसी धारकों के लिए दावा प्रक्रिया को किया और आसान

ओडिशा।

निजी क्षेत्र के प्रमुख जीवन बीमा प्रदाता कंपनियों में से एक बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने ओडिशा में हाल ही हुई दुखद ट्रेन दुर्घटना से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताई है। कंपनी ने संकट के इस समय में उनके साथ एकजुटता से खड़े होने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया है और रेल दुर्घटना से प्रभावित अपने पॉलिसी धारकों के लिए दावा प्रक्रिया को और आसान बनाया है। कंपनी ने इस आपदा से प्रभावित अपने पॉलिसीधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष प्रावधान भी लागू किए हैं।

इस कठिन समय के दौरान प्रभावित पॉलिसीधारकों के सामने आने वाली अपार चुनौतियों को समझते हुए बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने इस घटना के कारण प्रभावित अपने ग्राहकों के लिए मृत्यु और दिव्यांगता संबंधी दावों को जल्द निपटाने के लिए इन्हें प्राथमिकता देने की घोषणा की है। कंपनी ने पॉलिसी संबंधी इन दावों को तेजी से निपटाने के लिए एक त्वरित प्रक्रिया स्थापित की है।

प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने न्यूनतम दस्तावेजों को सूचीबद्ध किया है। ये ऐसे दस्तावेज हैं, जिन्हें नामितियों, कानूनी उत्तराधिकारियों या पॉलिसीधारकों को अपने दावों के साथ जमा कराना आवश्यक है।

केंद्रीय बैंक का 500 रुपए के नोट को बंद करने का कोई इरादा नहीं: दास

- बैंक की 1,000 रुपए का नोट छापने की भी कोई योजना नहीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने 1,000 रुपए के नोट के दोबारा प्रचलन में आने पर चल रही चर्चाओं पर भी स्थिति साफ की। शक्तिकांत दास ने कहा कि अभी तक चलन से बाहर किए गए 2,000 रुपए के आधे नोट बैंकों में वापस आ चुके हैं। 2,000 रुपए के नोटों को 30 सितंबर तक बैंकों में जमा कराया या बदलवाया जा सकता है। दास ने साफ किया कि केंद्रीय बैंक का 500 रुपए के नोट को चलन से बाहर करने का कोई इरादा नहीं है। इस संबंध में चल रही चर्चाएं भ्रामक हैं। उन्होंने लोगों से इन अफवाहों पर विश्वास ने करने की अपील की। दास ने देश में फिर से एक हजार रुपए का नोट चलन में लाने संबंधी चर्चाओं पर भी विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक का 1,000 रुपए का नोट छापने की कोई योजना नहीं है। देश में फिर से यह नोट चलन में नहीं आएगा। इस संबंध में जो भी खबरें आ रही हैं, वो कोरी अफवाहें हैं।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित रिटेल महंगाई दर अप्रैल 2023 में 18 महीनों के निचले स्तर 4.7 फीसदी पर पर आ गई थी। अभी भी रिटेल महंगाई दर केंद्रीय बैंक की निर्धारित सीमा से ऊपर है और आने वाले समय में महंगाई से बहुत ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद भी नहीं है। वित्त वर्ष 2024 में महंगाई दर चार फीसदी से ऊपर बने रहने का अनुमान है। शक्तिकांत दास ने कहा कि ग्लोबल परिस्थितियां और मानसून का असर महंगाई पर पड़ेगा। भारतीय मौसम विभाग ने देश में सामान्य मानूसन का अनुमान जताया है लेकिन अल नीनो का खतरा अभी बरकरार है। वैश्विक परिस्थियां भी चीनी, चावल और अन्य कमोडिटीज की कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले ओपनएआई के सीईओ

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन भारत दौरे पर हैं। वह बीते बुधवार को भारत पहुंचे हैं। वहीं ऑल्टमैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि ये बैठक बहुत अच्छी थी और मोदी एआई को लेकर उत्साहित थे। यह बैठक एक ऐसे दिलचस्प समय पर हो रही है, जब भारत सरकार एक डिजिटल इंडिया बिल में एआई को रेगुलेट करना चाहती है। इस विधेयक को आईटी एक्ट से बदल दिया जाएगा। ऑल्टमैन ने कहा कि ये काफी अच्छा था। वास्तव में एआई और इसके फायदे को लेकर विचारशील थे। हमने पूछा कि भारत ने चेटजीपीटी को इतनी जल्दी और इतनी तेजी से क्यों अपना लिया है। ये देखना वाकई हमारे लिए मजेदार रहा। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस बारे में भी बात की कि भारत एआई के लिए कैसे अवसर पेश कर सकता है और इसके रेगुलेशन के बारे में क्या सोचता है। ऑल्टमैन ने कहा कि हमने देश के सामने अवसरों के बारे में बात की, देश को क्या करना चाहिए, यह सुनिश्चित करने के लिए ग्लोबल रेगुलेशन के बारे में सोचने की जरूरत है कि हम कुछ डाउनसाइड्स होने से रोकें।

देश के टू-व्हीलर सेगमेंट में हीरो मोटोकॉर्प का दबदबा

मुंबई ।

भारतीय बाजार में टू-व्हीलर सेगमेंट में उछाल देखने को मिला है। कंपनियों द्वारा मई 2022 की तुलना में 9.32 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। साथ ही एमओएम की रिटेल सेल में भी सुधार देखा गया है। कहा जा रहा है कि कुल सेल में सबसे अधिक योगदान हीरो मोटोकॉर्प का रहा। जानकारी के अनुसार कंपनी के दो-पहिया वाहनों को 5 लाख से अधिक सेल हासिल हुई है। ब्रिकी के मामले में हीरो मोटोकॉर्प में पहले स्थान पर है। कंपनी ने मई 2023 में 5,30,658 यूनिट सेल की हैं। वहीं होंडा के टू-व्हीलर्स की सेल में वार्षिक दर पर गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी मई 2023 में कुल 2,69,557 यूनिट ही सेल कर सकी है। तीसरे नंबर पर टीवीएस का नाम आता है। निर्माता ने 2022 के तुलना में मई 2023 में 2,52,247 यूनिट्स की ब्रिकी की हैं। बता दें कि ज्यादा डिमांड के चलते स्कूटर्स पर 30,000 से अधिक आर्डर पेंडिंग है। इन 3 कंपनियों के अलावा लिस्ट में बजाज, रॉयल एनफील्ड, यामहा की कंपनियों का नाम आता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 223 अंक व निफ्टी 71 अंक गिरा

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुए। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। इस प्रकार लगातार दूसरे दिन बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 223.01 अंक करीब 0.35 फीसदी नीचे आकर 62,625.63 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,992.16 तक ऊपर जाने के बाद 62,594.74 तक नीचे आया था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी में भी 71.15 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और निफ्टी अंत में 18,563.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,676.65 की उंचाई तक जाने के बाद 18,555.40 तक फिसला।

वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 11 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे अधिक करीब 2.12 फीसदी तक उछले। इसके अलावा एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टूब्रो और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में से 19 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक करीब 1.98 फीसदी तक गिरे। एसबीआई, एचयूएल, एचसीएल टेक और इंफोसिस सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले सुबह सेंसेक्स 48 अंक 62896 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 29 अंक ऊपर 18664 पर कारोबार कर रहा था। नीतिगत ब्याज दर को यथावत रखने के रिजर्व बैंक के फैसले के बीच गुरुवार को वाहन, बैंक और सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में मुनाफावसूली से स्थानीय शेयर बाजारों में चार कारोबारी दिन से जारी तेजी थम गई थी।

बीएसएनएल नकदी निवेश बढ़ा, हिस्सेदारी घटी

मुंबई ।

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने वित्त वर्ष 23 के दौरान राजस्व और बैलेंस शीट में सुधार तो दर्ज किया है, लेकिन कंपनी अपनी प्रतिस्पर्धियों के हाथों लगातार बाजार हिस्सेदारी गंवा रही है और वर्ष के दौरान इसके शुद्ध और नकदी के नुकसान में और इजाफा हुआ है। वास्तव में वर्ष के दौरान अपने परिचालन लाभ में सुधार के बावजूद वित्त वर्ष 23 में कंपनी का शुद्ध और नकदी घाटा बढ़ा है। सरकार के स्वामित्व वाली इस दूरसंचार परिचालक की बिक्री वित्त वर्ष 2023 के दौरान पिछले साल के मुकाबले 13.8 प्रतिशत बढ़कर 19,128 करोड़ रुपये हो गई, लेकिन वर्ष के दौरान इसका घाटा भी पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत बढ़कर 8,162 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह इसका नकदी का नुकसान वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर 2,503 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले यह 1,674 करोड़ रुपये था। इसकी वजह से कंपनी ने लगातार छह साल में वित्त वर्ष 2018 से नकदी का नुकसान और लगातार 14 साल में वित्त वर्ष 2010 से घाटा दर्ज किया है। परिणामस्वरूप इसने पिछले 14 साल में कुल 1.11 लाख करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया है। बीएसएनएल के शुद्ध घाटे में इस बढ़ोतरी की एक वजह एकमुश्त व्यय भी है। वित्त वर्ष 23 में एकमुश्त शुद्ध व्यय 1,500 करोड़ रुपये था। बीएसएनएल को वित्त वर्ष 23 में 16,200 करोड़ रुपये की फंडिंग के व्याहारिक अंतर का भी सामना करना पड़ा।

वित्त वर्ष 23 में घरेलू दूरसंचार बाजार में बीएसएनएल की राजस्व हिस्सेदारी भी लुढ़ककर 8.25 प्रतिशत के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गई, जबकि एक साल पहले यह 8.42 प्रतिशत थी। दूरसंचार परिचालकों (जियो, एयरटेल (घरेलू), वोडाफोन, बीएसएनएल, एमटीएनएल) के परिचालन संयुक्त बिक्री या आय वित्त वर्ष 23 के दौरान पिछले साल के मुकाबले 16.2 प्रतिशत बढ़कर 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले करीब दो लाख करोड़ रुपये थी।

स्टील पर शुल्क छूट को लेकर अमेरिका से हो रही बातचीत

मुंबई ।

भारत की अमेरिका से स्टील और एल्युमीनियम पर शुल्क छूट के बारे में बातचीत जारी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ये शुल्क लगाए थे। भारत ने अमेरिका के इन शुल्कों के जवाब में कुछ उत्पादों पर लगाए गए शुल्कों को हटाने की पेशकश की है। इस महीने के अंत में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा करेंगे। इस मामले के जानकार दो भारतीय अधिकारियों और उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि मोदी की इस यात्रा दौरे के दौरान दोनों देशों के समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है। दोनों सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारत ने स्टील पर शुल्क छूट के बदले अमेरिका के कृषि उत्पादों जैसे बादाम और अखरोट पर लगाए गए शुल्क में छूट देने की पेशकश की है। एक सूत्र ने बताया कि अमेरिका का बातचीत को लेकर लचीला रुख नहीं हैं। इससे स्टील पर शुल्क छूट मिलने पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। इस बारे में अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय और अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटिव को ईमेल भेजा गया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। भारत के अधिकारी मीडिया से बातचीत करने के लिए अधिकृत नहीं थे, इसलिए अपने नाम का खुलासा नहीं करना चाहते थे।

1980 और 90 के दशक में भारतीय सड़कों पर इन कारों का था जलवा

नई दिल्ली ।

देश के ऑटोमोबाइल बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलते रहे हैं।1980 और 90 के दौर पांच कारें थी जो लोगों के दिलों पर राज करती थी।

आज के समय में इनके थोड़े से विंटेज मॉडल और बहुत सी यादें बची हुई हैं। कोंटेसा अभी भी देश के युवा ऑटो प्रेमियों को आकर्षित करती है।

आमतौर पर भारत की मसल कार के रूप में प्रचारित, कोंटेसा के पास अपने जमाने में सारी खूबिया थीं। शक्तिशाली इंजन से लेकर किलर लुक और विशाल इंटीरियर से लेकर कमांडिंग रोड प्रजेंस तक इसमें सबकुछ दिल लुभाना वाला था। 1984 में लांच होने पर इस कार की कीमत महज 83,437.50 रुपये थी। इसमें 49 बीएचपी का इंजन लगा था जिसे एंबेसडर में भी साझा किया गया था।

प्रीमियर पद्मिनी 80 के दशक में अपने चरम के दौरान युवाओं के बीच पसंदीदा थी। ये कार अनिवार्य रूप से फिएट 1100 थी, जिसे इतालवी कार निर्माता के लाइसेंस के तहत भारत लाया गया था। इसके लोकल प्रोडक्शन के लिए सरकार के आग्रह के बाद नाम बदलकर पद्मिनी कर दिया गया। पद्मिनी नाम चित्तौड़ की पौराणिक रानी को श्रद्धांजलि के रूप में दिया गया था। कार की कीमत उस समय 30,000 रुपये थी। इसमें 1.1-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया था, जो 40-बीएचपी का पीक पावर पैदा करता था।

वहीं एक समय मारुति 1000 को खरीदने के लिए लंबा वेटिंग पीरियड हुआ करता था। इस 1994 में, एक एडवांस 1.3-लीटर इंजन के साथ मारुति एस्टीम के रूप में जारी किया गया था। कम बिक्री के कारण सन 2000 में इस कार का उत्पादन औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया था।

वहीं इसके बाद मारुति ने 1993 में जेन की शुरुआत की थी। इस 5-डोर वाली हैचबैक ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की और बाद में छोटे आकार की नावों को चलाने के लिए इसके इंजन चुरा लिए गए थे। मारुति जेन में एक 4-सिलेंडर ऑल एल्यूमीनियम इंजन था जो 60 एचपी का उत्पादन करता था। जून 2003 में, वीएक्सआई सेगमेंट में जेन का 3-डोर स्पोर्ट्स वेरिएंट 3.9 लाख रुपये में लांच किया गया था।

मारुति ओमानी को आम तौर पर मारुति वैन कहा जाता है। ओमनी, मारुति सुजुकी द्वारा बनाई जाने वाली दूसरी गाड़ी थी। इस 1984 में लांच किया गया था और इस वाहन को 1988 में ओमनी नाम दिया गया। ओमनी का 796 सीसी इंजन 34.2बीएचपी का उत्पादन करता है। ये भारतीय शहरों में पाई जाने वाली सबसे आम प्रकार की एंबुलेंस है। स्लाइडिंग डोर वाली ये कार कई भारतीय फिल्मों में इस कई बार किडनैपिंग कार के रूप में दर्शाया गया है।

'ख्वाब रीप्राइज़' के मनमोहक धुन और दिल को छू लेने वाले बोल में खो जाने के लिए तैयार हो जाएँ

राष्ट्रीय।

'ख्वाब' की भारी सफलता के बादए आदित्य ए और इकलिप्स नोवाए आकांक्षा भंडारी के साथ मिलकर ए सोनी म्यूजिक के सहयोग से एक और आकर्षक ट्रैकए च्ख्वाब रीप्राइजज् को लेकर वापस आ गए हैं।'ख्वाब रीप्राइज" एक काल्पनिक गाथा है जो खूबसूरती से बताती है कि प्यार में होना वास्तव में एक सपने जैसा ही है।

असामान्य प्रतिभाशाली जोड़ी आदित्य और इकलिप्स नोवा द्वारा रचित और गाये गएए इस गीत को आकांक्षा भंडारी के मधुर स्वर और दिल को छू लेने वाले बोल ने एक अलग सुंदरता दी है जो निश्चित रूप से आपके चेहरे पर मुस्कान लाएगी। अपनी अनूठी शैली को बनाए रखते हुएए आकांक्षा भंडारीए इकलिप्स नोवा और आदित्य ए के बीच का यह सहयोग गीत के एक नए दृष्टिकोण को सामने लाता है।

इस रिलीज के बारे में इकलिप्स नोवा ने कहाए 'हमारे पिछले गीत 'ख्वाब' के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बादए आदित्य और मैं ख्वाब का एक और मंत्रमुग्ध कर देने वाला संस्करण बनाना चाहते थेए इसलिए हमने आकांक्षा के साथ ख्वाब रीप्राइज़ पर काम करना शुरू कियाए और परिणाम अविश्वसनीय रहा। मुझे लगता है कि ये अपने प्रियजन को समर्पित करने के लिए एक आदर्श ट्रैक हैए जो हमेशा आपके साथ रहते हैं।'

आदित्य ए ने कहा 'ख्वाब एक बड़ी सफलता रही है और मैं आपके दिलों को छू लेने वाले एक और ट्रैक को पेश करके बेहद उत्साहित हूं। इकलिप्स नोवा और आकांक्षा दोनों के साथ काम करना मजेदार थाए वे दोनों बेहद प्रतिभाशाली हैं। मुझे उम्मीद है कि संगीत प्रेमी इस ट्रैक का आनंद लेंगे।'

आकांक्षा भंडारी ने कहा 'मैं 'ख्वाब रीप्राइज़' का हिस्सा बनने और इस प्रतिभाशाली जोड़ीए इकलिप्स नोवा और आदित्य ए के साथ जुड़कर बेहद रोमांचित हूं। यह मनमोहक गीत श्रोताओं को एक मनोरम प्रेम यात्रा पर ले जाता हैए और मुझे विश्वास है कि यह निश्चित रूप से उनके दिलों को भी छू लेगा।'

हैवमोर पेश करता है अनोखे स्वादों का दिलचस्प खजाना, साथ ही नए लॉटे आइस क्रीम्स भी

भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद बेहतर होते जाने और नए स्वादों के साथ प्रयोग करने की इच्छा के साथ, प्रमुख भारतीय आइसक्रीम ब्रांड और लॉटे वेलफूड कंपनी लिमिटेड की सहायक कंपनी, हैवमोर आइसक्रीम ने इस सीजन में मलाईदार आइसक्रीम के रोमांचक स्वादों की अपनी नई रेंज प्रस्तुत की है। मजेदार स्वाद का वादा करते हुए, ब्रांड ने 10 नए फ्लेवर्स की एक श्रृंखला की घोषणा की है, जिसमें विविध स्वाद और वैरायटी शामिल हैं। इस सीज़न में, ब्रांड ने गर्व के साथ नवीन और आकर्षक क्रीमी आइसक्रीम की एक श्रृंखला प्रस्तुत की है, जो असाधारण फ्लेवर्स के उनके जुनून को दर्शाता है। ऐसे फ्लेवर जो भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती मांग के अनुरूप हैं।

हैवमोर आइसक्रीम वास्तव में भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद को समझती है और ऐसे फ्लेवर लॉन्च करने का प्रयास करती है जो उनकी पसंद के हों। पारंपरिक आइसक्रीम फ्लेवर के साथ, हैवमोर अपनी रजवाड़ी कुल्फी फालूदा लेकर आया है, जिसमें सूखे मेवों का शानदार स्वाद भी शामिल है। हैवमोर की जुलुबार को सबसे पसंदीदा चॉकलेट आइसक्रीम माना जाता है। चॉकलेट पसंद करने वालों के लिए हैवमोर ने जुलुबार, डार्क क्रंच का एक नया संस्करण लॉन्च किया है। इस मजेदार ट्रीट में डार्क चॉकलेट के पीस हैं, जो चॉकलेट के दीवानों को एक सुखद अनुभूति प्रदान करता है। एक अनूठी और समृद्ध आइसक्रीम पेश करने के लिए, इसमें वाइल्ड बेरीज ब्लॉकबस्टर, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और रस्पबेरी की खूबियां जोड़ी गई हैं। प्रत्येक बाइट के साथ बेरीज के फटने को तैयार रहें, जो एक अविस्मरणीय और वास्तव में आनंददायक अनुभव देता है।

लॉटे, वर्ल्ड कोन दक्षिण कोरिया में सबसे अधिक बिकने वाला आइसक्रीम कोन है। भारत में 2021 में लॉन्च होने के साथ ही यह लोकप्रिय हो गई। इसके साथ, लोकप्रिय वर्ल्ड कोन आइसक्रीम कलेक्शन में लॉटे इटेलियानो तिरामिसु एक नई पेशकश है। यह मस्कारपोन क्रीम, कॉफी और ब्राउनी का सही मिश्रण है, जो एक शानदार चॉकलेट कोटिंग के साथ मिलता है और एक यादगार ट्रीट की गारंटी देता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप मजे से इनका सेवन कर सकें, इन वर्ल्ड कोन्स को शानदार पैकेजिंग तकनीक से इस तरह पेश किया

बायजू फिर करेगी कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख एडटेक कंपनी बायजू एक बार फिर छंटनी करने की योजना बना रही है। कॉस्ट कटिंग करने के लिए और बेहतर ऑपरेशन के लिए कंपनी कर्मचारियों की स्ट्रेंथ में कटौती कर सकती है। इस बार कंपनी करीब 1000 कर्मचारियों को निकाल सकती है। बता दें कि इससे पहले भी कंपनी ने हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। ये दूसरी बार है जब कंपनी अपने यहां छंटनी की योजना बना रही है। देश में छंटनी का सिलसिला जैसे थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक के बाद एक कंपनियां अपने कर्मचारियों को निकाल रही हैं। इस बार छंटनी की तलवार देश की सबसे बड़ी एडटेक कंपनी पर लटक रही है। जानकारी के मुताबिक जिन लोगों को निकाला जाएगा उनमें से ज्यादातर ऑन-ग्राउंड सेल्स के लोग शामिल हो सकते हैं। कंपनी इन लोगों को कॉन्ट्रैक्ट पर हायर करती है। थर्ड पार्टी के जरिए इन कर्मचारियों की हायरिंग होती है। 2023 की शुरुआत में बायजू ने पहली बार करीब 1000 लोगों को नौकरी से निकाल दिया था। इसमें सीनियर स्ट्रेटेजी, टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट रोल्स के लोग शामिल थे। हालांकि, कंपनी के स्पोकपर्सन ने इस बार होने वाली छंटनी के बारे में कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल: भारत की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप, ऑस्ट्रेलिया को मिली 173 रनों की बढ़त

लंदन। (एजेंसी)। अजिंक्य रहाणे और शार्दुल ठाकुर के बीच सातवें विकेट की साझेदारी की बदौलत भारत को तीसरे दिन कुछ हद तक शर्म से बचा लिया। इस जोड़ी ने 145 गेंदों पर 109 रन जोड़े। हालांकि, दूसरे सत्र में स्टैंड ज्यादा देर तक टिक नहीं पाया और अजिंक्य रहाणे पैट कमिंस के हाथों 89 रन पर आउट हो गए। ठाकुर ने संघर्ष किया और 51 रनों की अर्धशतकिय पारी खेली। भारत 296 पर ऑल आउट हो गया और ऑस्ट्रेलिया ने 173 रनों की पहली पारी की बढ़त ले ली है। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान पैट कमिंस ने तीन जबकि स्कॉट बोलैंड और मिशेल स्टार्क ने दो-दो विकेट लिये।

लगभग 18 महीने के बाद टीम में वापसी कर रहे रहाणे ने सूझबूझ से बल्लेबाजी करने के साथ खराब गेंदों को सीमा रेखा के पार भेजा और दौड़ कर रन भी चुराये। भारत ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 151 रन से आगे से की और पहले सत्र में उसे इकलौता झटका श्रीकर भरत (पांच रन) के रूप में लगा। भरत बीते दिन के अपने स्कोर में कोई इजाफा किये बिना दिन की दूसरी गेंद पर स्कॉट बोलैंड का दूसरा शिकार बने। रहाणे और शारदुल ने इसके बाद मजबूत जज्बे से बल्लेबाजी की। भारतीय पारी के 42वें ओवर में कमिंस की गेंद पर शारदुल दो बार चोटिल हुए। दोनों बार गेंद उनके दायें हाथ पर लगी और टीम के फिजियो को मैदान पर आना पड़ा।

फ्रेंच ओपन 2023: जिस खिलाड़ी को मैदान पर उतरने से डॉक्टर ने किया था मना, वो अब ग्रैंड स्लैम जीतने से एक कदम दूर

पेरिस(एजेंसी)। फ्रेंच ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में कैरोलिना मुचोवा ने फाइनल मुकाबले में पहुंच कर इतिहास रच दिया है। कैरोलिना मुचोवा ने पैर में समस्या के बावजूद मैच प्वाइंट बचाया और शानदार खेल दिखाया। कैरोलिना मुचोवा ने सेमीफाइनल मुकाबले में ऐसा धमाकेदार खेल खेला कि वह एरिना सबालेंका को हराने में सफल हुई।

ऐसा रहा था मुकाबला

गैरवरीय कैरोलिना मुचोवा ने पैर में समस्या के बावजूद मैच प्वाइंट बचाया और वापसी करते हुए आखिरी पांच गेम भी जीते जिससे गुरुवार को वह एरिना सबालेंका को हराकर फ्रेंच ओपन के महिला एकल फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। कैरोलिना ने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ 7-6 (5), 6-7 (5), 7-5 की जीत के साथ पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाली सबालेंका तीसरे सेट में 5-2के स्कोर पर मुकाबला जीतने से सिर्फ एक अंक दूर थी लेकिन इसके बाद उन्होंने 24 में से 20 अंक गंवाए और मुकाबला हार बैठीं। चेक गणराज्य की 26 साल की कैरोलिना ने इस तरह शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 में था जब वह सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहीं थी।

पाकिस्तानी बच्चे को हरभजन ने दिया आटोग्राफ

लंदन। (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां ओवल मैदान में जारी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 (डब्लयूटीसी) फाइनल को देखने पाकिस्तानी क्रिकेट प्रशंसक भी पहुंचे हैं। उन्हीं में से एक छोटे से पाक प्रशंसक

ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह से ऑटोग्राफ मांगा, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। वैसे तो भारत-पाक के बीच जबरदस्त तनाव है पर क्रिकेट प्रशंसक दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हैं। वही बात एक बार फिर साबित हुई है।

यह छोटा सा बच्च व्हीलचेयर पर बैठा था और हरभजन उसे अपना ऑटोग्राफ दे रहे हैं। इस पूरी घटना का एक भावुक वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विशाल स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड शतकीय पारियां खेलीं। हेड ने 163 बनाए, जबकि स्मिथ ने 121 रनों की पारी खेली। वहीं डेविड वॉर्नर और एलेक्स कैरी अर्धशतक पूरे नहीं कर पाये। वॉर्नर ने 43 और कैरी ने 48 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से मोहम्मद सिराज ने सबसे अधिक 4 विकेट।

स्पेशल ओलंपिक्स दल के सदस्यों का हुआ सम्मान , 12 जून को जर्मनी रवाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल ओलंपिक्स के लिए इसी माह 12 जून को जर्मनी रवाना होने वाले दल के सदस्यों का गुरुवार को नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सम्मान किया गया। इसमें भारतीय दल के लिए टॉर्च रन और राष्ट्रीय सेंड-ऑफ सेरेमनी आयोजित की गयी। स्पेशल ओलंपिक्स जर्मनी के बर्लिन शहर में 17 से 25 जून 2023 तक होंगे।

भारत इसमें अपना 198 एथलीट्स का दल भेजेगा। 12 जून को बर्लिन रवाना होने वाले भारतीय दल के एथलीट्स इस इवेंट में 16 खेलों की स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। एथलीट्स के साथ उनके जोड़ीदार और 57 कोच भी जाएंगे।

इन दल के लिए आयोजित सम्मान समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सेंड-ऑफ सेरेमनी की प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कई अन्य हस्तियां भी इस समारोह में शामिल हुईं।

यह समारोह दो भागों में बंटा हुआ था। इसके लिए मशाल 26 मई को दिल्ली से निकली और विभिन्न शहरों में होकर लौटी। यह मशाल हरियाणा आई, जहां के एथलीट्स इसे देश की राजधानी लेकर आए। ये हरियाणा के वो एथलीट्स हैं, जो स्पेशल ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस मशाल को भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत के अधिकारियों के साथ प्राप्त किया। मशाल समारोह का समापन खेलमंत्री ठाकुर के भाषण के साथ समाप्त हुआ।

इस दौरान ठाकुर ने स्पेशल ओलंपिक्स में भाग ले रहे सभी एथलीट्स को अपनी शुभकामनाएं दी। ठाकुर ने कहा, मैं डॉक्टर मलिका नड्डा और स्पेशल ओलंपिक्स भारत को शुभकामनाएं देता हूं। इनके प्रयासों के कारण ही हम बर्लिम में इतना बड़ा भारतीय दल भेज पा रहे हैं। 198 एथलीट्स, एकीकृत साझेदार और 57 कोच भारत के 23 विभिन्न शहरों से आए और 16 खेलों में हिस्सा लेंगे। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट्स शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रौशन करेंगे।

समारोह के दूसरे भाग में स?मृति ईरानी प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर बॉलीवुड गीतकार और कंपोजर व स्पेशल ओलंपिक्स भारत गुडविल एम्बेस्डर सोनू निगम, पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और डॉक्टर स्टीफन ग्रैबहर भी मंच पर उपस्थित रहे। इन्होंने अपनी उपस्थिति से एथलीट्स को प्रोत्साहित किया। बता दें कि 12 जून को बर्लिन रवाना होने वाला भारतीय दल भी इस मौके पर उपस्थित रहा।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इस दौरान एथलीट्स को प्रोत्साहित किया। ईरानी ने कहा, स्पेशल ओलंपिक्स भारत एथलीट्स देश का गर्व है। आज मेरे लिए गर्व की बात है कि स्पेशल ओलंपिक्स भारत एथलीट्स की सेंड ऑफ सेरेमनी का हिस्सा बनने का आमंत्रण मिला। मैं सभी माता-पिता का विशेष धन्यवाद करना चाहती हूं। मैं सभी एथलीट्स से कहना चाहती हूं कि देश के 1.3 अरब लोगों की शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज ने भी इस मौके पर एथलीट्स के लिए प्रेरणादायी बातें कहीं। युवराज ने कहा, मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। हर बच्चा देश के लिए बराबरी से विशेष है। ये सभी एथलीट्स हमारे लिए विशेष हैं। आप बर्लिन में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। किसी खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने से बड़ा सम्मान और गर्व और कुछ नहीं। हम आपको शुभकामनाएं देते हैं कि आप बर्लिन में स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके देश को गौरवान्वित महसूस कराएं।

एकदिवसीय विश्वकप कप में खेल सकते हैं न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज बोल्ट : कोच

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड के कोच गैरी स्टेड ने कहा है कि तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट इस साल के अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में खेल सकते हैं। स्टेड के अनुसार बोल्ट ने टी20 लीग खेलने के लिए बोर्ड का केन्द्रीय अनुबंध नहीं किया है पर उन्होंने 'आकस्मिक खेल समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इसी के आधार पर उन्हें टीम में जगह मिल सकती है। स्टेड को उम्मीद है कि भारत में अक्टूबर में शुरू होने वाले विश्व कप में बोल्ट और औरी टिम साउदी साथ मिलकर गेंदबाजी करेंगे। स्टेड ने कहा, बोल्ट के साथ हमारी सकारात्मक बातचीत हो रही है, उसने संकेत दिया है कि वह विश्व कप के लिये उपलब्ध है। उन्होंने कहा, हमारे दृष्टिकोण से, वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय गेंदबाजों में से एक है, इसलिए चोट के अलावा मुझे नहीं लगता कि कोई चीज़ उसे टीम से बाहर रखेगी। बोल्ट ने भी आईपीएल के दौरान कहा था कि वह एकदिवसीय विश्वकप में अपनी टीम की ओर से खेलना चाहते हैं। बोल्ट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय गेंदबाजों में से एक हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में 187 विकेट लिये हैं। इसके अलावा इस गेंदबाज ने टी20 क्रिकेट में भी 74 विकेट लिए हैं। पिछले साल केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद बोल्ट को इस साल इंग्लैंड और श्रीलंका के विरुद्ध खेली गयी टेस्ट श्रृंखलाओं में शामिल नहीं किया गया था हालांकि उन्होंने गत वर्ष टी20 विश्व कप में खेला था। स्टेड ने कहा कि बोल्ट अगले साल दक्षिण अफ्रीका और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखलाओं के लिये न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में वापसी कर सकते हैं।

रहाणे ने टेस्ट क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के तीसरे दिन टेस्ट क्रिकेट में अपने 5000 रन पूरे करने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की। रहाणे ने कैमरन ग्रीन की गेंद पर दो रन लेने के साथ ही अपने पांच हजार रन पूरे किये। अब उनके टेस्ट करियर में 39.22 की औसत से 5020 रन हो गये हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में पांच हजार रन बनाने वाले 13वें भारतीय खिलाड़ी हैं। रहाणे ने डेढ़ साल बाद टीम में वापसी करते हुए ये रन बनाये हैं। उन्हें जनवरी 2022 में भारत की टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था। रहाणे जब बल्लेबाजी करने उतरे तब भारत ने अपनी पहली पारी में 50 रन पर तीन विकेट खो दिये थे। उन्होंने विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के आउट होने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखते हुए शार्दुल ठाकुर के साथ शतकीय साझेदारी करके भारत को संभाला।

विनेश ने पूछा, डर और दहशत के माहौल में बेटियों को कैसे मिलेगा न्याय ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पहलवान विनेश फोगाट का एक ट्वीट आया है। इसमें विनेश ने कहा है कि जिस प्रकार डर और दहशत का माहौल अभी है। उसमें महिला खिलाड़ियों को किस प्रकार न्याय मिलेगा यह एक बड़ा सवाल है। एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता विनेश भी बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक के साथ ही कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के धरने का नेतृत्व करने वालों में शामिल थी। विनेश का ये ट्वीट 'नाबालिग लड़की के बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को वापस लेने के बाद आया है। इसी नाबालिग लड़की की शिकायत के आधार पर बृजभूषण के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज हुई थी। विनेश ने ट्वीट किया, ''क्या डर और दहशत के माहौल में बेटियों को मिलेगा न्याय? वहीं उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''इंसाफ की इस लड़ाई में हो रही देरी की वजह से कहीं इन बेटियां का हौंसला ही समाप्त न हो जाये। साथ ही कहा कि भगवान सभी को हिम्मत दें। वहीं इससे पहले नाबालिग पहलवान के पिता ने कहा कि उन्होंने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप इसलिए लगाए क्योंकि वह उनसे बदला लेना चाहते थे। वह अंडर 17 एशियाई चैंपियनशिप के ट्रायल में अपनी बेटी की हार के लिए बृजभूषण को दोषी मानती थीं।

महिला जूनियर एशिया कप सेमीफाइनल में जापान की चुनौती के लिये तैयार भारत

काकामिगाहारा। (एजेंसी)। बेहतरीन फॉर्म में चल रही भारतीय टीम शनिवार को जापान के खिलाफ महिला जूनियर एशिया कप सेमीफाइनल में इस लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है। उजबेकिस्तान, मलेशिया , चीनी ताइपै को हराने के बाद उसने कोरिया से ड्रॉ खेला। भारतीय टीम पूल ए में अपराजेय रहकर शीर्ष पर रही। शनिवार को जीत से टीम फाइनल में पहुंचने के साथ एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिये भी क्वालीफाई कर लेगी।

टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों को सीधे एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप में प्रवेश मिलेगा जो चिली के सैंटियागो में 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जायेगा। भारतीय कप्तान प्रीति ने जीत का भरोसा जताते हुए कहा ,'' एशिया की शीर्ष टीमों में से एक होने के कारण हमारे लिये यहां अच्छा प्रदर्शन बहुत जरूरी है।'' उन्होंने कहा ,'' अभी तक हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा है और हम सेमीफाइनल में भी इस लय को कायम रखना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य जूनियर महिला विश्व कप के लिये क्वालीफाई करना भी है और हम इससे एक जीत ही दूर हैं। इसलिये हम सेमीफाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'' भारत ने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22 . 0 से हराया और फिर मलेशिया को 2 . 1 से मात दी। कोरिया के खिलाफ मैच 2 . 2 से ड्रॉ रहा जबकि चीनी ताइपै को 11 . 0 से हराया। जापान ने हांगकांग चीन को 23 .0 से और इंडोनेशिया को 21 . 0 से मात दी। चीन से एक गोल से हारने

अगले चार माह तक टेनिस से दूर रहेंगी एमा

लंदन । ब्रिटेन की टेनिस स्टार एमा राडुकानू सर्जरी के कारण अगले कुछ महीनों के लिए टेनिस कोर्ट से दूर रहेंगी। एमा के हाथों और टखने की सर्जरी हुई है, जिसे ठीक होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में वह इस साल होने वाले विंबलडन,और यूएस ओपन में भी नहीं खेल पाएंगी। एमा ने इंस्टाग्राम पर सर्जरी के बाद की एक तस्वीर भी साझा की है। 20 साल की राडुकानू ने अस्पताल की एक तस्वीर पोस्ट की और अपने 2.5 लाखों इंस्टाग्राम फॉलोअर्स से कहा, पिछले 10 महीने मेरे लिए बेहद कठिन रहे हैं क्योंकि मैं दोनों हाथों की हड्डी पर बार-बार लगने वाली चोट से परेशान रही हूं। राडुकानू ने लिखा, मैंने दर्द को प्रबंधित करने और इस वर्ष के अधिकांश समय और पिछले साल के अंत तक अभ्यास के दौरान पड़ने वाले दबावा को कम करने, प्रशिक्षण के लापता सप्ताहों के साथ-साथ पिछले सत्र को कम करने की कोशिश की थी पर चोट ठीक नहीं हो पाई। अब मैं इन मुद्दों को हल करने के लिए दोनों हाथों की एक मामूली प्रक्रिया से गुजर रही हूं। राडुकानू ने लिखा, मुझे यह बताते हुए निराशा हो रही है कि मैं अगले कुछ महीनों के लिए बाहर रहूंगी। यह हालांकि मेरे लिए निराशाजनक है। मैं गर्मियों को याद करूंगी। साथ ही अपने सभी प्रशंसकों को सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं।

एएफसी एशियाई कप से पहले लगातार खेलने से मनोबल बढ़ेगा : गुरप्रीत

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा कि अगले साल होने वाले एएफसी एशियाई कप से पहले लगातार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलना खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। इससे उनका मनोबल और कौशल बढ़ता है। गुरप्रीत ने कहा कि उनके और साथी खिलाड़ी अमरिंदर सिंह के बीच प्रतिस्पर्धा है पर उनका लक्ष्य अहम मैच जीतना है। इस साल की शुरुआत में इंफाल में तीन देशों के टूर्नामेंट में भारत ने म्यामां को 1-0 से और किर्गिस्तान को 2-0 से हराकर खिताब जीता था और टूर्नामेंट में गुरप्रीत और अमरिंदर दोनों ने इसमें संयुक्त रूप से 'टूर्नामेंट के गोलकीपर' का पुरस्कार जीता था। गुरप्रीत का मानना है कि एशियाई कप से पहले लगातार टूर्नामेंट खेलना भारतीय टीम के लिए 'बहुत अच्छा' है। टीम कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने की तैयारी कर रही है जिसमें - भुवनेश्वर में इंटरकॉन्टिनेंटल कप, बेंगलुरू में सैफ चैंपियनशिप, थाईलैंड में किंग्स कप (सितंबर) और मलेशिया में मर्डेका कप (अक्टूबर) शामिल हैं। कतर में जनवरी-फरवरी में होने वाले एशियाई कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम इंटरकॉन्टिनेंटल कप से पहले भुवनेश्वर में प्रशिक्षण शिविर में कड़ी मेहनत कर रही है। गुरप्रीत का मानना है कि यह खिलाड़ियों के लिए अपने कौशल को बेहतर बनाने का अच्छा मौका है।

भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन का कारण कहीं आईपीएल तो नहीं

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों के कमजोर प्रदर्शन से एक बार फिर ये सवाल उठने लगा है कि क्या इसका कारण आईपीएल तो नहीं है। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी करीब दो माह तक आईपीएल खेलने के बाद अब टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं।

इसमें भारतीय टीम 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरी। पिच पर मौजूद घास और ओवरकास्ट कंडीशन भी भारत के पक्ष में थी। इसके बाद भी भारतीय गेंदबाज नाकाम रहे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। सबसे हैरानी की बात ये रही कि अतिरिक्त उछाल वाले विकेट का भी भारतीय तेज गेंदबाज लाभ नहीं उठा पाये। वहीं इसके बाद जब भारतीय टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसका शीर्ष क्रम विफल रहा। रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे खिलाड़ी रन नहीं बना पाये। आईपीएल में बल्लेबाज को पहली गेंद पर से ही शॉट लगाने पड़ते हैं पर टेस्ट में उसे गेंद को देखकर खेलना पड़ता है। यहीं भारतीय बल्लेबाज गलती कर गये।

इससे ये माना जा रहा है लगातार दो माह से खेलने के कारण खिलाड़ी थके हुए थे। इसके अलावा वह टी20 से टेस्ट प्रारुप के लिए मानसिक रुप से तैयार नहीं हुए। गेंदबाजों के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट बहुत अहम होता है। दो महीने नॉन टी20 क्रिकेट खेलने के तत्काल बाद भारतीय गेंदबाजों को टेस्ट क्रिकेट खेलना पड़ा और सीधे 4 ओवर से लंबे-लंबे स्पैल में गेंदबाजी करनी पड़ी और यही कारण है कि एक समय के बाद भारतीय गेंदबाजों पर थकान हावी होती दिखी और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने इसका पूरा लाभ उठाया। उठाया.

भारतीय टीम में शामिल तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर आईपीएल 2023 में अपनी टीम के गेंदबाजी आक्रमण में भी शामिल थे। शमी ने आईपीएल 2023 में 17, सिराज ने 14, शार्दुल ने 11 मुकाबले खेले थे। उमेश यादव और शार्दुल ने तो चोटिल होने के कारण कुछ मैच भी नहीं खेले थे। वहीं मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर फाइनल से करीब 2 हफ्ते पहले लंदन पहुंच गए थे पर शमी आईपीएल फाइनल के कारण 1 जून को इंग्लैंड पहुंचे थे। इस बीच कोई अभ्यास मैच नहीं खेला गया. आईपीएल में 4 ओवर के स्पैल से अचानक टेस्ट में बदले हुए हालात में लगातार गेंदबाजी करने का असर पहले दिन भारतीय गेंदबाजों पर साफ दिखा था। दूसरे सत्र के बाद ही भारतीय तेज गेंदबाजों

के घुटने मुड़ने लगे थे। वहीं तीसरे सेशन तक भारतीय तेज गेंदबाज थके हुए नजर आने लगे थे और इसका फायदा ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने उठाया और आखिरी 10 ओवर में स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने 5 के रन रेट से रन कूटे थे.

पहले दिन पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने भी इसी को लेकर एक ट्वीट किया था. उन्होंने लिखा था, नियमित रूप से 4 ओवर गेंदबाजी करने से लेकर एक दिन में 15-20 ओवर गेंदबाजी करना बड़ी छलांग है। इस प्रकार उनके संकेत भी आईपीएल की ओर ही थे।

गांगुली ने कहा अश्विन हरी घास वाली पिच पर भी प्रभावी रहते : गांगुली

-अंतिम ग्यारह में शामिल न कर भारतीय टीम ने गलती की

मुम्बई । भारतीय टीम के आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को शामिल नहीं किये जाने पर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने नाराजगी जतायी। इस मैच में भारतीय गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे। ऐसे में टीम को ऑफ स्पिनर अश्विन की कमी खली। गांगुली ने कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के इस फैसले पर सवाल उठाये हैं। गांगुली ने कहा कि कौन कहता है कि ऑफ स्पिनर हरी पिच पर नहीं खेल सकता है? ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लियोन 400 से ज्यादा टेस्ट विकेट ले चुके हैं। गांगुली ने कहा, अश्विन जैसे मैच विजेता को अंतिम ग्यारह में शामिल ना कर भारत ने गलती कर दी है। ऐसा लग रहा है कि उनका अंतिम ग्याह में शामिल होना बेहतर होता क्योंकि जडेजा को दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। जडेजा एक छोर से दबाव बनाते हैं पर दूसरे छोर से रन बनते ही ये हट जाता है। गांगुली ने साथ ही कहा, अश्विन ने विकेट केवल उपमहाद्वीप के मैदानों पर नहीं लिए हैं, वह ऑस्ट्रेलिया में भी विकेट ले चुके हैं। मेरे अनुसार हरी घास वाली पिच पर भी वह प्रभावी होते। मेरे अनुसार वह ऑल टाइम ग्रेट खिलाड़ी है।

मुख्यमंत्री ने ग्लोबल पाटीदार बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन मेगा एक्सपो-2023 का किया उद्घाटन

सूरत। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को मेहसाणा में तीन दिवसीय ग्लोबल पाटीदार बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन मेगा एक्सपो-2023 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सरदार धाम और गुजरात पाटीदार बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन (जीपीबीओ) की ओर से तीन दिवसीय मेगा एक्सपो का आयोजन वास्तव में एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल से गुजरात में शुरू हुए अविरत विकास की सफलता के कारण आज गुजरात पूरे देश में विकास का ग्रोथ इंजन बना है। इतना ही नहीं, आज गुजरात सभी क्षेत्रों में तेज रफ्तार से प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में शुरू की गई विकास की राजनीति के कारण आज गुजरात के प्रत्येक गांव तक पक्की सड़क और बिजली पहुंची है। बिजली और सड़क बनने के कारण पानी भी आसानी से गांवों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए आवश्यक ढांचागत सुविधाएं मुहैया कराने सहित हरेक क्षेत्र में गुजरात अग्रसर रहा है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में राजकोट की जसदण तहसील के आटकोट में लोकार्पित अत्याधुनिक हॉस्पिटल का उदाहरण देते हुए कहा कि, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि आज ग्रामीण स्तर पर अद्यतन टेक्नोलॉजी से सुसज्जित ऐसे हॉस्पिटल का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में विकास की मजबूत नींव रखी थी, जिसका अनुभव आज देश और पूरी दुनिया को हो रहा है। मुख्यमंत्री ने नरेन्द्र मोदी के हालिया विदेश दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत में किए गए अविरत विकास कार्यों के कारण आज भारत का नाम वैश्विक स्तर पर गूंज रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने तो यहां तक कह दिया था कि- 'मोदी इज द बॉस', जो भारत के सभी नागरिकों के लिए बहुत गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने मेहसाणा में आयोजित ग्लोबल पाटीदार बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन मेगा एक्सपो-2023 की बात करते हुए कहा कि, इस एक्सपो में लगभग 300 स्टॉल लगाए गए हैं। उत्तर गुजरात में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है। यह एक्सपो इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि पाटीदार समाज ने सभी समाजों को साथ रखकर आगे बढ़ने का प्रयास किया है, यह भी एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो युवा उद्यमियों और स्टार्टअप क्षेत्र से जुड़े युवाओं के लिए अनेक अवसर लेकर आया है। स्टार्टअप क्षेत्र में गुजरात गत तीन वर्षों से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि पिछले दशकों में गुजरात में उद्योग क्षेत्र में क्रांति हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आयोजन और मार्गदर्शन के अनुसार गुजरात लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वाइब्रेंट ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का अनुकरण हो रहा है और आज इसने देश भर में आंदोलन का स्वरूप ले लिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विकास के नए अवसरों के लिए निरंतर चिंतन के साथ मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। गुजरात में लगातार नवाचार और आविष्कार हो रहे हैं, स्टार्टअप विकसित हो रहे हैं, जो आने वाले समय में उद्योग क्षेत्र में बड़ी क्रांति लाएंगे और देश को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने में योगदान देंगे। उन्होंने आगे कहा कि मेहसाणा ने शिक्षा के मूल्य को समझकर शिक्षा क्षेत्र में काफी अच्छे प्रयास किए हैं। नतीजतन, मेहसाणा आज सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का दायरा बढ़ने के कारण ही हम आज इतना विकास करने में सफल रहे हैं। बिजनेस मेगा एक्सपो के संबंध में बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों के कारण बिजनेसमैन एक छत तले एकत्रित होते हैं और बिजनेस के नए आयामों के सृजन के साथ ही नए अवसर उपलब्ध होते हैं।

गुजरात कांग्रेस के नए अध्यक्ष और प्रभारी को लेकर दिल्ली में चल रहा है मंथन

सूरत।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर गुजरात भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं, दूसरी और प्रदेश कांग्रेस नए अध्यक्ष और प्रभारी नियुक्ति पर फिलहाल मंतन कर रही है। कांग्रेस हाईकमान गुजरात इकाई का किसे अध्यक्ष्य और प्रभारी बनाएगी यह तो आनेवाले वक्त में पता चलेगा। फिलहाल गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के लिए दोनों नामों की चर्चा है। पहला नाम है परेश धानाणी और दूसरा दीपक बाबरिया के नाम की चर्चा है। आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस हाईकमान जल्द ही गुजरात में प्रदेश प्रभारी और प्रमुख का ऐलान कर सकता है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी और प्रमुख की नियुक्ति को लेकर दिल्ली में चर्चा चल रही है। जिसके लिए गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। गुजरात कांग्रेस के नेता अर्जुन मोढवाडिया, अमित चावडा, शैलेष परमार, सिद्धार्थ पटेल और दीपक बाबरिया इन दिनों में दिल्ली हैं। गुजरात के इन नेताओं की पार्टी हाईकमान के साथ नए प्रदेश प्रभारी व प्रमुख के मुद्दे पर चर्चा चल रही है। गुजरात प्रदेश प्रमुख पद के मुख्य दावेदारों में दीपक बाबरिया और परेश धानाणी शामिल हैं।

जानकारी है कि कांग्रेस हाईकमान पहले गुजरात में पार्टी प्रभारी की नियुक्ति करेगा और उसके बाद प्रदेश प्रमुख की नियुक्ति की जाएगी। गुजरात कांग्रेस संगठन में फेरबदल होने से आगामी लोकसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष की पहली परीक्षा होगी। गुजरात में कांग्रेस के पास लोकसभा की एक भी सीट नहीं है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में गुजरात कांग्रेस का सूपडा साफ हो गया था और दोनों ही चुनावों में राज्य में उसका खाता तक नहीं खुला था। ऐसी स्थिति में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष के लिए लोकसभा चुनाव में कैसे पार्टी का खाता खुलेगा? यह सबसे बड़ी चुनौती होगी। दूसरी ओर भाजपा 2014 और 2019 के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में तीसरी बार गुजरात में क्लीन स्वीप करने की तैयारी कर रही है।

अकेलापन दूर करने 65 वर्ष की आयु में वृद्ध ने रचाई दूसरी शादी, सच्चाई सामने आते ही उड़ गए होश

अहमदाबाद।

पति या पत्नी की मौत के बाद वृद्धावस्था में अकेलापन दूर करने के लिए कई ढलती आयु में दूसरी शादी करते हैं। ताकि जीवन के इस पडाव में जीवनसाथी का प्यार और साथ मिल सके। हांलाकि प्यार करनेवाला जीवनसाथी सभी को नहीं मिल पाता। कुछ को तो संपत्ति की लालच वाला जीवनसाथी मिल जाता है। अहमदाबाद में रहनेवाले वृद्ध के साथ भी ऐसा ही हुआ। सबसे बड़ा विश्वासघात वृद्ध के साथ यह हुआ कि जिस महिला के साथ उन्होंने शादी की थी वह एचआईवी पॉजिटिव निकली। दूसरी पत्नी ने पहली रात को एचआईवी पॉजिटिव होने का बम फोड़कर वृद्ध के होश उड़ा दिए। उसके बाद वृद्ध ने दूसरी पत्नी से दूरी बना ली। हांलाकि उसके बच्चों का खर्च समेत अन्य खर्च उठाने लगे। मामला तब बिगड़ गया जब पत्नी बार बार रुपए मांगने लगी। यहां तक कि वृद्ध को धमकी दी कि वह संपत्ति उसके नाम लिख दे। तंग आकर वृद्ध ने अपनी दूसरी पत्नी, सास और दो साढुओं के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र में रहनेवाले 65 वर्षीय वृद्ध बैंक के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। वर्ष 2018 में उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। वृद्ध का पुत्र जन्म से मानसिक बीमारी और पेरालिसिस से पीड़ित होने से उन्होंने दूसरी शाद करने का फैसला किया। वृद्ध के दोस्त की मौत के बाद उसकी पत्नी बेटियों के साथ जीवन गुजार रही थी। वृद्ध ने दोस्त की पत्नी से मुलाकात की और दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। दो साल पहले 2021 में वृद्ध के बेटे की मौत हो गई, जिसके बाद उन्होंने दूसरी शादी का विचार छोड़ दिया। हांलाकि वृद्ध की अपने दोस्त की पत्नी से बातचीत बंद नहीं हुई। बातचीत में दोनों ने अकेलापन खत्म कर शादी करने का फैसला किया। इसी साल जनवरी में दोनों ने सामाजिक रीति रिवाज के मुताबिक शादी भी कर ली। शादी के मौके पर वृद्ध ने भोजन समारोह भी किया था, जिसमें दोनों पक्ष के लोग शामिल हुए। शादी की पहली रात को जब वृद्ध अपनी दूसरी पत्नी के पास पहुंचे तो उसकी बात सुनकर उनके होश उड़ गए। दूसरी पत्नी ने बताया कि वह एचआईवी पॉजिटिव है। जिसे सुनकर वृद्ध ने दूसरी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इंकार कर दिया। इसके बाद दोनों साथ बैठते बातचीत करते। दूसरी पत्नी की बेटियों के पढ़ाई और कपड़े इत्यादि का खर्च वृद्ध करते थे। पत्नी को समय समय पर रुपए देते रहते थे। एक दिन वृद्ध ने पत्नी को पांच हजार घर खर्च के लिए दिए। दो दिन बाद फिर रुपए मांगने पर वृद्ध पत्नी पर बिगड़ गए। पत्नी ने कहा कि मैं जब कभी भी रुपए मांगू तुम्हें देना होगा। इतना ही आपकी पूरी संपत्ति भी मेरे नाम लिखनी होगी। जिसके बाद वृद्ध ने अपनी दूसरी पत्नी, सास और दो साढुओं के खिलाफ मारपीट की पुलिस थाने में रपट दर्ज करवा दी।

साउथ गुजरात केटरर्स एसोसिएशन की ओर से "क्रिकेट तड़का - 2023" टूर्नामेंट का आयोजन

इंडोर स्टेडियम में जारी तीन दिवसीय टूर्नामेंट में बड़ी संख्या में एसोसिएशन के सद्स्यों और परिजन ले रहे हैं हिस्सा

सूरत।

व्यापारिक और सामाजिक विकास के लिए कार्यरत साउथ गुजरात केटरर्स एसोसिएशन की ओर से सूरत के इंडोर स्टेडियम में तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट च्च क्रिकेट तड़का - 2023 का आयोजन किया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया अभियान से प्रेरित होकर यह आयोजन किया गया है। जिसका गुरुवार से आरंभ हुआ है और शनिवार को समापन होगा।

एसोसिएशन के धवल भाई नाणावटी और राजेशभाई अजमेरा ने बताया कि साउथ गुजरात केटरर्स एसोसिएशन दक्षिण गुजरात के केटरर्स के व्यवसाय से जुड़े लोगों का संगठन है। जो व्यवसायिक और सामाजिक विकास के लिए कार्य करता है। एसोसिएशन के साथ 150 लोग जुड़े हैं। इन सभी के परिवार एक साथ आए और उनके बीच के रिश्ते मजबूत बनने के साथ एक दूसरे के व्यवसाय के विकास के लिए सहयोगी बने इस उद्देश के साथ एसोसिएशन समय समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इसी कड़ी के बीच एसोसिएशन के सद्स्यों और उनके परिवार के सद्स्यों के लिए 8 से 10 जून तक क्रिकेट टूर्नामेंट " क्रिकेट तड़का - 2023" का आयोजन इंडोर स्टेडियम में किया गया है। गुरुवार से शुरू हुए टूर्नामेंट का शनिवार को समापन होगा।

आगे बताया कि साउथ गुजरात केटरर्स एसोसिएशन के साथ जुड़े सदस्य 30 से 40 हजार लोगों को रोजगार दे रहे हैं, तब एसोसिएशन सिर्फ सदस्यों का ही नहीं, बल्कि केटरिंग व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों का प्रतिनिधत्व कर रहा है।

आईआईएफएल फाईनेंस के बोंड्स इश्यू से मिलेगा 9 प्रतिशत तक रिटर्न; एकत्रित किए जाएंगे 1500 करोड़ रु.

सूरत भूमि, सूरत।

भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनियों में से एक है आईआईएफएल फाईनेंस 9 जून, 2023 को अपने सिक्योर्ड बॉन्ड्स का पब्लिक इश्यू जारी करेगा, जिसके द्वारा 1,500 करोड़ रु. तक एकत्रित किए जाएंगे। इस पूंजी का उपयोग व्यवसायिक वृद्धि और पूंजी संवर्धन के लिए किया जाएगा। ये बॉन्ड अत्यधिक सुरक्षा के साथ 9 प्रतिशत तक रिटर्न प्रदान करेंगे।

आईआईएफएल फाईनेंस सिक्योर्ड रिडीमेबल नॉन -कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) जारी करेगा, जो 300 करोड़ रु. के बराबर होंगे, जिसमें 1200 करोड़ रु. तक का ओवर-सब्सक्रिप्शन बनाए रखने के लिए एक ग्रीन-शू विकल्प होगा (1,500 करोड़ रु. के बराबर)। आईआईएफएल बॉन्ड्स 60 महीने की अवधि के लिए 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष का सर्वोच्च प्रभावशाली रिटर्न प्रदान करते हैं। एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि में उपलब्ध है। ब्याज का भुगतान 60 माह की अवधि के लिए वार्षिक आधार, परिपक्वता के समय और मासिक आधार पर किया जा सकता है।

इसकी क्रेडिट रेटिंग क्राईसिल रेटिंग्स द्वारा एए/स्टेबल और आईसीआरए द्वारा एए/स्टेबल है, जिससे प्रदर्शित होता है कि इन इंस्ट्रूमेंट्स में वित्तीय दायित्वों को समय पर पूरा करने के लिए उच्च डिग्री की सुरक्षा है और इनके साथ जोखिम काफी कम है। वित्तवर्ष 2023 की चैथी तिमाही में मूडी की अपग्रेडेड आईआईएफएल फाईनेंस रेटिंग बी2 से बढ़कर बी1 (स्टेबल) हो गई है।

अमित डाभी, एरिया मैनेजर, आईआईएफएल फाईनेंस ने कहा, "भारत में 4000 से ज्यादा शाखाओं में मजबूत स्थिति और विस्तृत रिटेल पोर्टफोलियो के साथ आईआईएफएल फाईनेंस सेवाओं की कमी वाली आबादी की क्रेडिट जरूरतों को पूरा करता है। इसके द्वारा एकत्रित किए गए फंड का उपयोग इस तरह के और ज्यादा ग्राहकों की क्रेडिट जरूरतों को पूरा करने और हमारे डिजिटल प्रोसेस परिवर्तन में तेजी लाने के लिए किया जाएगा, ताकि यह प्रक्रिया और ज्यादा सुगम हो।"

उन्होंने कहा, "आईआईएफएल के पास 25 सालों से ज्यादा समय का बेहतरीन ट्रैक रिकार्ड है, और इसने सभी बॉन्ड इश्यूज़ एवं ऋण के दायित्वों का हमेशा समय से भुगतान किया है।" अप्रैल में आईआईएफएल फाईनेंस ने फरवरी, 2020 में मीडियम टर्म नोट्स द्वारा एकत्रित किए गए 400 मिलियन डॉलर मूल्य के डॉलर बॉन्ड्स का भुगतान किया।

आईआईएफएल फाईनेंस भारत के सबसे बड़े रिटेल केंद्रित वित्तीय सर्विसेज़ कंपनियों में से एक है। 31 मार्च, 2023 को आईआईएफएल फाईनेंस के पास 64,638 करोड़ रु. के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट थे। इसकी 95 प्रतिशत बुक रिटेल में है, जो स्मोल-टिकट लोन पर केंद्रित है।

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन आईडीटी में किया गया

सूरत। आईडीटी (डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी संस्थान), एकाधिकारिक सहयोग सहित आरक्षरोमा के साथ विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन करके संगीतमय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को पृथ्वी के रंगों की सुंदरता और स्थायी फैशन के महत्व के बारे में शिक्षा देना था। इस आयोजन को आईडीटी के परिसर में आयोजित किया गया था, जहां छात्र उत्सुकता से शिक्षा प्राप्त करने और फैशन उद्योग में संवेदनशीलता की प्रथाओं का पता लगाने के लिए उत्साहित भागीदारी दिखा रहे थे।

निदेशक अंकिता गोयल, जो स्थायी फैशन के पक्षधर हैं, छात्रों को संवेदनशीलता प्रदान करने और वस्त्र उद्योग के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए प्राकृतिक रंगों के उपयोग की महत्ता को जोर देते हुए उन्होंने छात्रों को संबोधित किया। अंकिता गोयल ने पृथ्वी की संरक्षा के महत्व को संजोने की उपेक्षा करने का महत्त्व बताया और छात्रों को संवर्धनशीलता को बढ़ावा देने वाली नवाचारी तकनीक और सामग्री को अपनाने की प्रोत्साहन दिया।

आर्करोमा की टीम के सदस्य मिस्टर अमोल के मार्गदर्शन में, जो प्राकृतिक रंगों और पृथ्वी के रंगों में विशेषज्ञ हैं, छात्रों को फूल, हल्दी और सब्जियों जैसी कार्बनिक सामग्री का उपयोग करके अपनी खुद की अद्वितीय कपड़ा डिजाइन बनाने का मौका मिला। इन प्राकृतिक रंगों के साथ, छात्रों ने टोट बैग, स्क्रंचीज, क्लच और हेडबैंड जैसे विभिन्न सृजनात्मक सहायक सामग्री बनाई, जिससे उनकी स्थायी फैशन के प्रति प्रतिष्ठा और उत्कटता का प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यशाला ने छात्रों के लिए स्थायी प्रथाओं के बारे में ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक रंगों की सुंदरता और विविधता का अनुभव करने का एक मंच का काम किया। कार्बनिक स्रोतों से प्राप्त पृथ्वी के रंगों का उपयोग करके छात्रों ने फैशन और पर्यावरण संवेदनशीलता के बीच के संबंध की गहरी समझ प्राप्त की।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने कि सूचना
(साधारण प्रारूप)
यायालय श्रीमान प्रधान
न्यायाधीश परिवार न्यायालय
जौनपुर (उ.प्र.)
मु0नं0 411 सन् 2023
धारा 128 सीआर.पी.सी.
थाना सुरेरी जौनपुर
ममता प्रजापति

बनाम प्रितेश कुमार प्रजापति बनाम (1) प्रितेश कुमार प्रजापति उत. 30 साल पुत्र मंगल प्रसाद प्रजापति सा. मौ. गोपालपुर बाजार मुस्काबाद थाना सुजानगंज जिला जौनपुर, हाल पता यू0 ए0 व्ही 3, विजनेश ट्रेड आर0ई0एच0 2 निशाल फलियू गोदाम सुरली थाना मणी तालुका बारदोली जिला सूरत गुजरात (विपक्षी)

चुकि उपर नामाकिंत ने इस न्यायलय में यह आवेदन किया जाता है कि अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती जाति कि आपको आवेदन के खिलाफ संवागित करन के लिये स्वय या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधि वक्ता द्वारा सज्जात द्वारा ही ऐसा करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षी सुना और अवधारित किया जायेगा ।

तारीख पेशी 15-06-2023

आपत्ति / निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित निकाली गयी

(न्यायालय)

IVY Growth द्वारा 16 से 18 जून तक सूरत में ट्वेंटी वन बाय सेवेंटी टू के दूसरे संस्करण का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। सूरत स्थित अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम सक्षम करने वाले IVY Growth एसोसिएट्स की ओर से डायमंड सिटी सूरत में 16 से 18 जून तक अपने प्रमुख कार्यक्रम ट्वेंटी वन बाय सेवेंटी टू का दूसरा संस्करण आयोजित किया है। इस आयोजन का उद्देश्य सूरत सहित गुजरात को वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम नक्शे पर रखने का है। 200+ स्टार्टअप संस्थापकों, 500+ निवेशकों और उद्योग के नेताओं सहित 10,000 से अधिक लोग स्टार्टअप समिट में शामिल होंगे, जो इसे भारत में अपनी तरह का सबसे बड़ा स्टार्टअप समिट बना देगा। यह आयोजन नेटवर्किंग, सीखने और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करेगा। 50+ वीसी, 15+ एंजल नेटवर्क और 300+ एंजेल इन्वेस्टर्स की उपस्थिति के साथ इस कार्यक्रम ने स्टार्टअप्स और देश के शीर्ष के लिए अपने प्रस्तावों को प्रदर्शित करने तथा निवेशकों तक अपने विचारों पहुंचने एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम में आकर्षक पैनल चर्चाएँ, विचारोत्तेजक कीनोट्स और संवादात्मक कार्यशालाएँ भी होंगी, जो मूल्यवान ज्ञान और सार्थक कनेक्शन के साथ उद्यमियों को सशक्त और विकसित करेंगी। इस समिट में बोट (BoAt) के को - फाउंडर अमन गुप्ता और Mamaerth की को - फाउंडर गज़ल अलघ भी उपस्थित रहेंगे।

IVY Growth एसोसिएट्स के सह-संस्थापक रचित पोद्दार ने कहा, "20 से अधिक राज्यों के 5,000 लोगों ने ट्वेंटीवन बाय सेवेंटी टू के पहले संस्करण में भाग लिया था। 35 पार्टनर स्टार्टअप्स में से 15-17 स्टार्टअप्स में निवेशकों ने रुचि दिखाई और टर्म शीट प्राप्त की थी। अगले संस्करण उससे भी बड़ा और बेहतर होगा। प्रमुख वीसीएस जैसे एर्था वेंचर्स, वीकैट्स और ब्लूम वेंचर्स और सार्थक आहूजा, अर्जुन वैद्य, महावीर प्रताप शर्मा और 80 से अधिक उद्योग वक्ताओं का नेतृत्व होगा जो टेक्नोलोजी, बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप के लेटेस्ट ट्रेंड पर अपनी कुशलता और अंतर्दृष्टि साझा करेंगे।

समिट के मुख्य आकर्षण में से एक ट्रेलब्लेज़र माइन होगा। स्टार्टअप्स के लिए एक लाइव शार्क टैंक पिचिंग और धन इकठ्ठा वाला कार्यक्रम होगा। जहां 25 चयनित स्टार्टअप्स को अपने विचारों को प्रतिष्ठित निवेशकों के एक पैनल के सामने रखने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, 85 से अधिक स्टार्टअप अपने अभिनव उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे। स्टार्टअप्स को संभावित निवेशकों और भागीदारों को अपनी पेशकश दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

IVY Growth एसोसिएट्स भारत, यूके, यूएई, यूरोप और अफ्रीका के निवेशकों के साथ स्टार्टअप्स को जोड़कर सूरत को वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम के मानचित्र पर लाने के मिशन पर है। यह उद्यमशीलता, अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए जो कल्पना की गई थी, उसे मूर्त रूप दे रहा है।

आयोजकों ने कहा, "हम सूरत को वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम के मानचित्र पर रखना चाहते हैं, और ट्वेंटी- वन बाय सेवंटी- टू के साथ हम उद्यमिता में तेजी लाने, अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा देने और पूरे भारत में एंजेल निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक मंच बना रहे हैं और इस समिट में शामिल होने के लिए सभी को आमंत्रित कर रहे हैं। हम सूरत को भारत का अगला स्टार्टअप हब बनाने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। केवल डेढ़ साल में, IVY Growth ने अपने फंड से कुल 10 मिलियन (82 करोड़ रुपये) जुटाए और अपने नेटवर्क से सिंडिकेट फंड जिन कुछ स्टार्टअप्स में इसने निवेश किया है उनमें रेशमा मंडी, Zypp Electric और BlueSmart शामिल हैं।

IVY Growth टीयर II और III शहरों की अपार क्षमता में दृढ़ता से विश्वास करता है और इन क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को पोषण और उद्यमिता को बढ़ावा देकर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य इन शहरों में मौजूद अप्रयुक्त प्रतिभा और अवसरों को अनलॉक करना और उनके आर्थिक विकास और विकास में योगदान देना है। IVY Growth ने टियर II और III शहरों में स्थित 20 से अधिक स्टार्टअप्स में महत्वपूर्ण निवेश किया है। इनमें से कुछ स्टार्टअप्स में एविफी, ग्रोविट, हिडन फ्लेवर्स, वैल्यूएशनरी, बोधि शामिल हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)